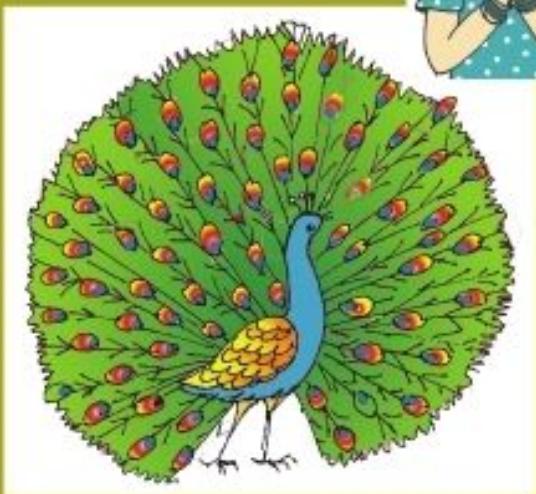
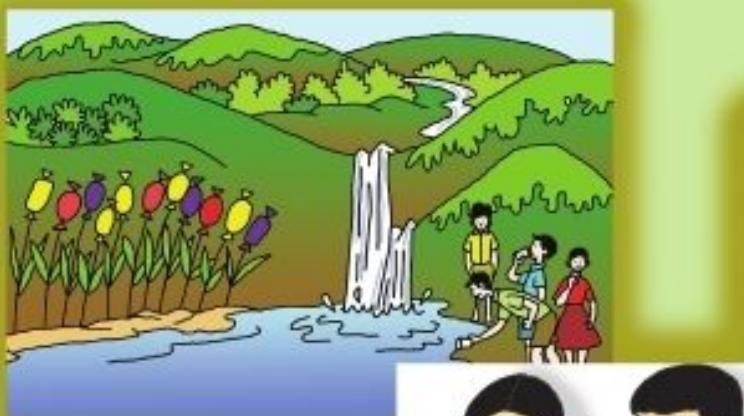




हिंदी सुगमभारती

पाँचवीं कक्षा



४६

यह पाठ्यपुस्तक विद्यार्थियों के पूर्व ज्ञान को दृष्टि में रखते हुए भाषा के नवीन एवं व्यावहारिक प्रयोगों तथा विविध मनोरंजक विषयों के साथ आपके सम्मुख प्रस्तुत है। पाठ्यपुस्तक को स्तरीय (ग्रेडेड) बनाने हेतु दो भागों में विभाजित करते हुए उसका ‘सरल से कठिन की ओर’ क्रम रखा गया है। यहाँ विद्यार्थियों के पूर्व अनुभव, घर-परिवार, परिसर को आधार बनाकर श्रवण, भाषण- संभाषण, वाचन, लेखन के भाषाई मूल कौशलों के साथ भाषा प्रयोग और व्यावहारिक सृजन पर विशेष बल दिया गया है। इसमें स्वयं अध्ययन एवं चर्चा को प्रेरित करने वाली रंजक, आकर्षक, सहज और सरल भाषा का प्रयोग किया गया है।

पाठ्यपुस्तक में आए शब्दों और वाक्यों की रचना हिंदी की व्यावहारिकता को ध्यान में रखकर की गई है। इसमें क्रमिक एवं श्रेणीबद्ध कौशलाधिष्ठित अध्ययन सामग्री, अध्यापन संकेत, अभ्यास और उपक्रम भी दिए गए हैं। विद्यार्थियों के लिए लयात्मक कविता, बालगीत, कहानी, संवाद आदि विषयों के साथ-साथ चित्रवाचन, देखो और सुनो, पढ़ो, देखो और बनाओ, देखो और करो, समझो, अनुरेखन, अनुलेखन, सुलेखन, श्रुतलेखन आदि कृतियाँ भी दी गई हैं।

शि ॐ एं फा ॐ एं ताँ फि - १११
 त् स ए इए गए त् एं शिशा फ़िशों रे । सभी
 कृतियों का विद्यार्थियों से अभ्यास करवाएँ । आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें । शिक्षक
 एवं अभिभावक पाठ्यपुस्तक में दिए गए ‘शब्दार्थ’ का उपयोग करें । ‘पहचान हमारी’
 के सभी भागों में नीचे दिए गए ‘पढ़ो’ के शब्दों के अर्थ बताना अपेक्षित नहीं है ।
 लयात्मक, ध्वन्यात्मक शब्दों का अपेक्षित उच्चारण एवं दृढ़ीकरण करना आवश्यक है । इस
 पाठ्यपुस्तक में लोक प्रचलित तद्भव शब्दों का प्रयोग किया गया है । इनसे विद्यार्थी सहज
 रूप में परिचित और अभ्यस्त होते हैं । इनके माध्यम से मानक शब्दावली का अभ्यास करना
 सरल हो जाता है ।

आवश्यकतानुसार पाठ्येतर कृतियों, खेलों, संदर्भों, प्रसंगों का समावेश करें। शिक्षक एवं अभिभावक पाठ्यपुस्तक के माध्यम से जीवन मूल्यों, जीवन कौशलों, मूलभूत तत्त्वों के विकास का अवसर विद्यार्थियों को प्रदान करें। पाठ्यसामग्री का मूल्यांकन निरंतर होने वाली प्रक्रिया है अतः विद्यार्थी परीक्षा के तनाव से मुक्त रहेंगे। पाठ्यपुस्तक में अंतर्निहित सभी क्षमताओं-श्रवण, भाषण-संभाषण, वाचन, लेखन, भाषा प्रयोग और व्यावहारिक सूजन का सतत मूल्यांकन अपेक्षित है।

विश्वास है कि आप सब अध्ययन-अध्यापन में पाठ्यपुस्तक का उपयोग कुशलतापूर्वक करेंगे और हिंदी विषय के प्रति विद्यार्थियों में अभिरुचि और आत्मीयता की भावना जागृत करते हुए उनके सर्वांगीण विकास में सहयोग देंगे ।

६

सुगमभारती

पाँचवीं कक्षा



‘रा ।

राष्ट्रीय राजकीय संस्कृति शो

f T T ff

डॉ. चंद्रदेव कवडे-अध्यक्ष, डॉ. हेमचंद्र वैद्य-सदस्य,
 डॉ. साधना शाह-सदस्य, श्री रामनयन टुबे-सदस्य,
 श्री रामहित यादव-सदस्य, श्री कौशल पांडेय-सदस्य,
 प्रा. मैनोदूर्दीन मुल्ला-सदस्य,

L I T E R A F

fitting

डॉ. रामजी तिवारी,	डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे,
प्रा. अनुया दलवी,	श्री संजय भारद्वाज,
डॉ. सरजूप्रसाद मिश्र,	डॉ. दयानंद तिवारी,
श्री अनुराग त्रिपाठी,	श्री राजेंद्रप्रसाद तिवारी,
श्री उमाकांत त्रिपाठी,	प्रा. निशा बाहेकर,
डॉ. आशा मिश्रा,	डॉ. संतोषकुमार यशवंतकर,
श्रीमती मंगला पवार,	श्री नरसिंह तिवारी

• 1 •

डॉ. अलका पोतदार, विशेषाधिकारी हिंदी,
पाठ्यपुस्तक मंडळ, पुणे

• T I :

मौ संध्या विनय उपासना

पाठ्यपुस्तक मंडळ, पुणे

त्रिं : ना तीर, से र,
तीर

20

ਚਿੰਨ੍ਹ ਤੋਂ ਜਿੰਦੀ ਫ਼ਰ
ਸੰਟੀਏ ਆਜਾਂਕਲ ਜਿੰਦੀ ਫ਼ਰ

मुद्रित दस्तावेज़

四、五、六

同上

三

1

प्रश्नः

५८ अंतीम, नित्र,

१८ निम्न : , प्रा १ , ५-२५

प्रस्ता॑

f i a o ' n e f u n a
 ' o ' a p r t e h r o ' n | n- a n i
 p r i a o ' n a n i s h i t o o ' .
 f i a f f , a ' r e t r i a o ' n i s h a o
 r i o ' u s ' a r o ' o ' . u s o o r i
 s r n a n e f i a g o ' f f i o ' a n i f i o
 f i j o ' n a u s a a s a a ' . o ' n i
 u n a r e p r i a o ' o ' i ' r r f i a f f , a ' ,
 o ' f i a o ' ' f i a f f , a ' ,
 o ' t r i a o ' a u t a r o ' p r o ' p r i
 ' a r o ' a f f i a , f , f i
 s a s a o ' .

en-ⁱf

f. 6

1. ना :-

₹ 203
T. 93

903

(चं. रा. बोरकर)

संचालक

महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व
अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ पुणे-०४

भारत का संविधान

उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व-संघन समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को :

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय,
विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म
और उपासना की स्वतंत्रता,
प्रतिष्ठा और अवसर की समता

प्राप्त कराने के लिए,
तथा उन सब में

व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता
और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता

बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं ।

राष्ट्रगीत

जनगणमन - अधिनायक जय हे
भारत - भाग्यविधाता ।

पंजाब, सिंधु, गुजरात, मराठा,
द्राविड, उत्कल, बंग,
विंध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा,
उच्छ्वल जलधितरंग,
तव शुभ नामे जागे, तव शुभ आशिस मागे,
गाहे तव जयगाथा,
जनगण मंगलदायक जय हे,
भारत - भाग्यविधाता ।

जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय, जय हे ॥

प्रतिज्ञा

भारत मेरा देश है। सभी भारतीय मेरे भाई-बहन हैं।

मुझे अपने देश से प्यार है। अपने देश की समृद्धि तथा विविधताओं से विभूषित परंपराओं पर मुझे गर्व है।

मैं हमेशा प्रयत्न करूँगा/करूँगी कि उन परंपराओं का सफल अनुयायी बनने की क्षमता मुझे प्राप्त हो।

मैं अपने माता-पिता, गुरुजनों और बड़ों का सम्मान करूँगा/करूँगी और हर एक से सौजन्यपूर्ण व्यवहार करूँगा/करूँगी।

मैं प्रतिज्ञा करता/करती हूँ कि मैं अपने देश और अपने देशवासियों के प्रति निष्ठा रखूँगा/रखूँगी। उनकी भलाई और समृद्धि में ही मेरा सुख निहित है।



* , f T *



T'

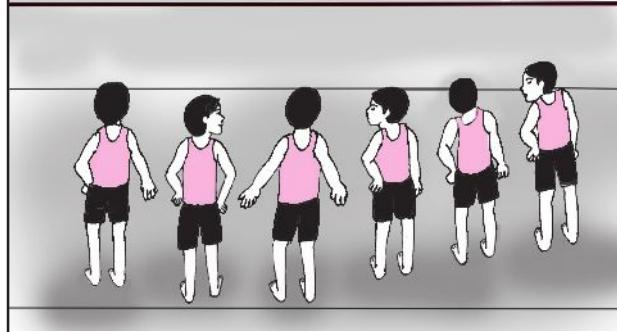
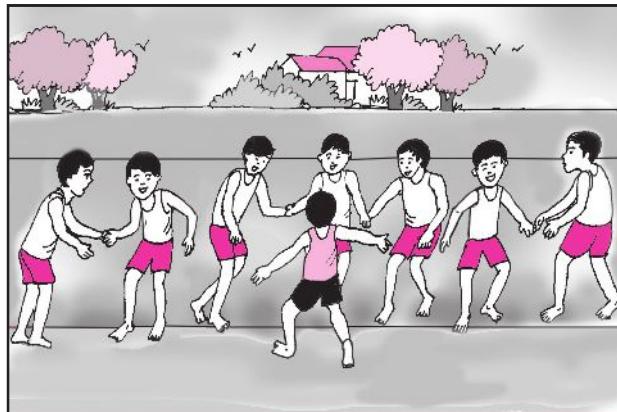
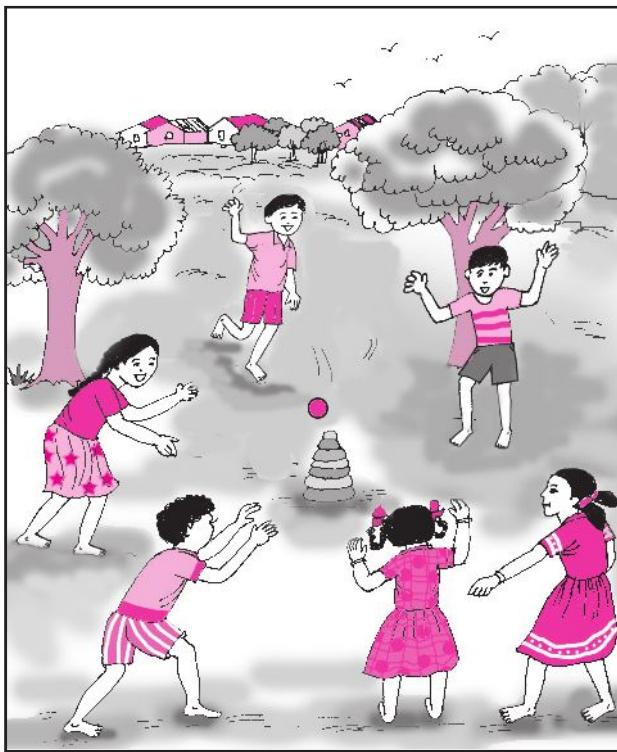
.. T T T	₹ T T T	₹ ..
* आओ खेलें १. वन की सैर २. हवा ३. विचित्र आदमी ४. कशमीरा ५. पहचान हमारी- भाग (१) ६. बधाई कार्ड ७. करो और जानो	 1 2 3 4 5 6,7 8	८. माँ ९. मोती जैसे दाँत १०. मित्रता ११. पहचान हमारी- भाग (२) १२. व्यायाम १३. बोलो और जानो * पुनरावर्तन १,२	 10 11 12 13,14 15 16 1,2

९ R T'

.. T T T	₹ T T T	₹ ..
१. गाँव और शहर २. लालची कुत्ता ३. खिचड़ी ४. रोबोट ५. जुड़ें हम ६. बोध ७. मुझे पहचानो ८. मुझे जानो ९. भारत	 19 20 21 22 23,24 25 26 2 27	१०. उलझन ११. राष्ट्रीय त्योहार १२. हम अलग - रूप एक १३. (अ) समान - विरुद्ध (ब) छुक-छुक गाड़ी १४. निरीक्षण १५. चलो-चलें * पुनरावर्तन ३,४ * शब्दार्थ, उत्तर	 29 30 31 32 33 34 35 36,3 37

● पहचानो और बताओ :

* आओ खेलें



□ आओ खेलें : फ़िल्मों के दृश्यों में देखा गया है। फिरों अनिर रारउनर फ़िराॅप्रते
फ़िल्मों में देखा गया है। उनमें दृश्यों में जलारप्राप्त है, न-नु वाटी फ़िराॅप्रते।

● देखो, बताओ और कृति करो :

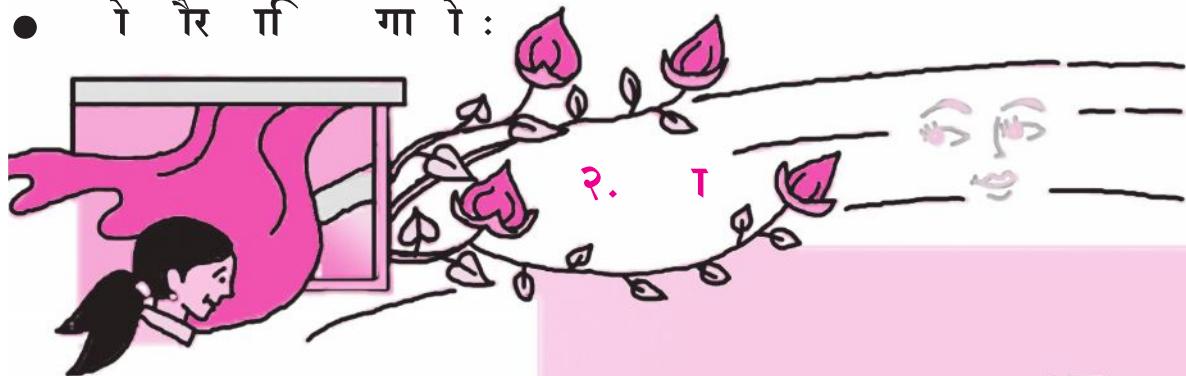
१. वन की सैर

पहली इकाई



□ त्रिये प्राणी भूमि रासा । फॉर्माइन ये प्राणी जानूर और उनी हों आँप्रा, सागी भूमि रासा । त्रिये तांत्रो भूजा रजन रफ्फाइ रासा ।

● रैरा गारोः



र, ना -ना र,
ते ।

मी-ु मी, न , ,
रु ते ।

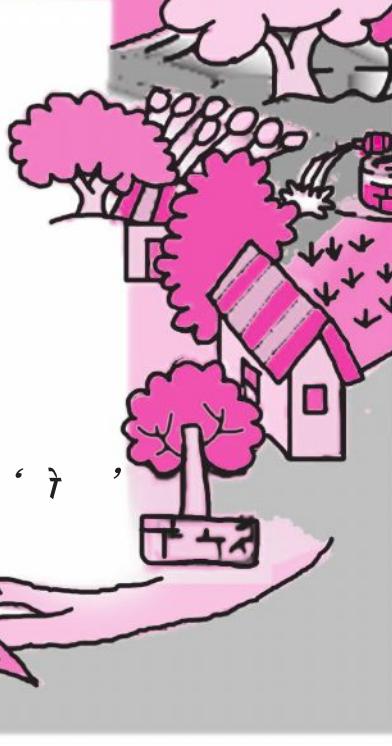
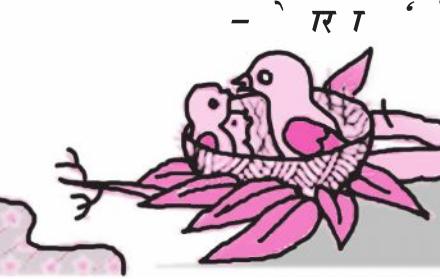
रु र, - र,
न - र ते ।



, , , ,
न ते ।

मी-ो न्मे झो,
ते रु ग ।

रु रै, ते ,
तर ते ।



१. फाए त शोरू राो ।

२. शरो, रोरोराोः

हलकी-फुलकी, तड़के-तड़के, घर-द्वार, नदी-नाले, खेत-खिलहान, गाँव-शहर, कली-वली ।

३. रु छाडि त-त, , फुरे नुजाँ। रो-रो नुजार रु रोरा॑। फा॑
तु रा॑ रा॑ रा॑ रा॑ रा॑ रा॑। रु रु रु रु रु रु रु ।

● रे रै रो रोः



. फित्रा

तराता। रसां॥ उने
फिरे। 'रसां॥' रे ने॥ "न
निरे॥, उरे॥ रसे॥ तो॥"॥
फित्रा॥ रे॥ उते॥
ते॥ 'फिराँ॥ रे॥
उते॥ ने॥ रेन ररा
॥'॥ ने उरा, "तेरे॥
ते॥ ने॥ नरी॥"॥ रा
॥ ते॥ रे॥ ने॥ रे॥ ने॥ रे॥
उरे॥ फिरिते॥ ते॥ रे॥
रा॥ रे॥ ते॥



'रउ फित्रा ने॥ रे॥, "
प्ररा॥ ते॥ ने॥ नरी॥"॥ फु
ना ने॥ ते॥ ने॥ नरी॥ रे॥ ते॥ ने॥
ते॥ नरी॥ रे॥ ते॥ ने॥ नरी॥ रे॥
ना ना॥ उने॥ नरी॥ रे॥ ते॥
ते॥ ने॥ रा॥ ने॥ फित्रा॥ ने॥ ने॥
ते॥ ते॥ ते॥ ते॥ ते॥ ते॥ ते॥ ते॥
नरी॥

- छ प्रार



शब्दों की अंत्याक्षरी खेलो । जैसे -

ते॥ रे॥ ने॥ नरी॥ रे॥ ते॥ ने॥ नरी॥
ते॥ रे॥ ने॥ नरी॥ रे॥ ते॥ ने॥ नरी॥

फित्रा रसां॥ ते॥ ने॥ फि प्रेरी॥ रे॥ ते॥ ने॥ नरी॥
निशि॥ रे॥ प्रेरी॥ ते॥ ने॥ नरी॥ ते॥ ने॥ नरी॥ ते॥ ने॥ नरी॥

४. शरा



नेंद्रियों से ज्ञान की विद्या का अवश्यक उपकार है।

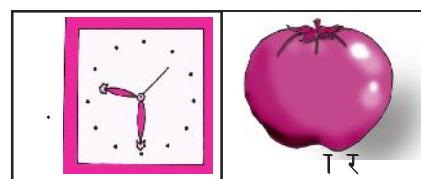
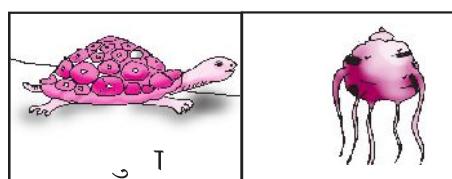
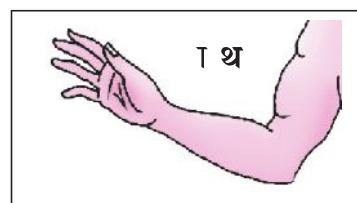
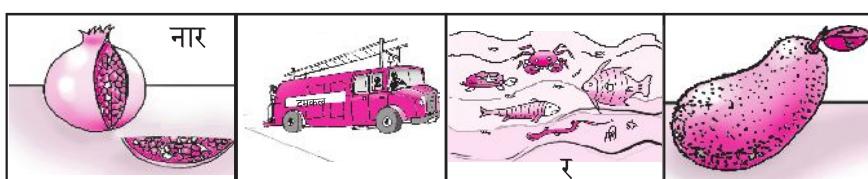
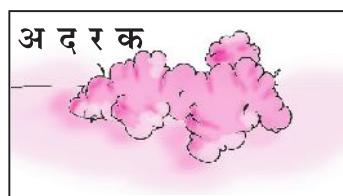
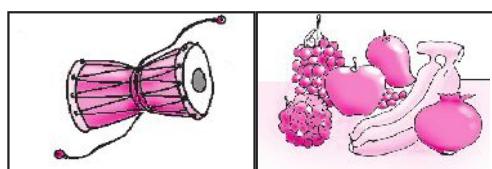
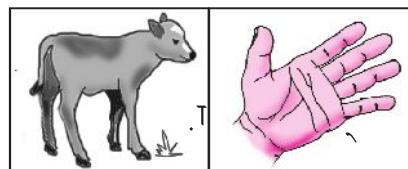
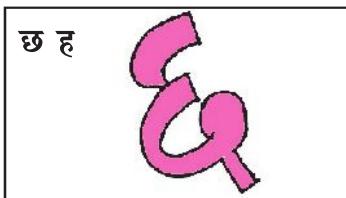
तार

- अध्यापन संकेत : १, २५. न र-१ (१) एं टाटाटा न-
तु फै। टाटा १३. न र-१ (२) एं १४ र नौ। न र-
रफ्फाँ रा रा। टूटू उत्तेष्ठाँ (सर, बन) त्रा
और उन दिनों में न राना। निरंतर त्राना र रा। -न र-र
त्रासंन फै। उप्रते नीर फै।
- (१) , , १३, १४ रसर रगनि रेफि। नीत्रा दिनों प्रा फै।
- (२) प्र नहूंरफि दिनों निर सेफि।
- (३) दिनों रो सें त्रो रिर रा॒रित्रा॑ो रो रा॑।
- (४) नजरा नौ रफि प्रते नीर रोंदिनों फै। त्रा॑ फै।
फ्फाँ रो न अने रैरेति सेफि।
- (५) प्रते नौ रिर रा॒उरा॒सर औत्रा॑ोशा॒रफि,
फै रैरा॒न रा॑। यो॑फि फौ॑उ॒न रैरु॑न रा॑।
- (६) प्रते नौ रनैफि, त्रा॑ो अने रैफि नौ॑उ॒नैरो॑र नैफि।
फि नित्रा॑, उरफू॑हैत्रा॑ (c. ओ. र) त्रा॑रफि॑उ॒है
त्रा॑उररिनेंत्रा॑उर॑फि॑। नौ॑ओशा॒रफि॑रस॑
रैफ्फाँ नुअन रा॑। तशा॑प्रते फ्रा॑उरैनैरा॑न रा॑। इन शब्दों के
अर्थ बताना अपेक्षित नहीं है।

● देखो और सुनो :



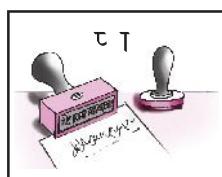
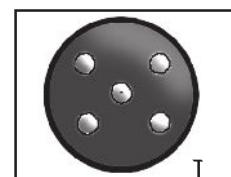
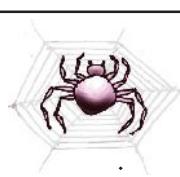
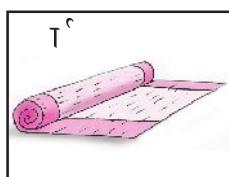
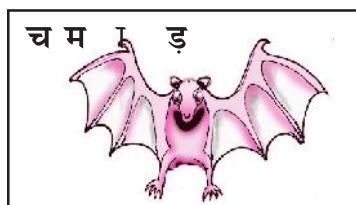
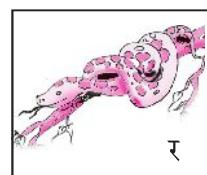
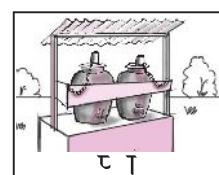
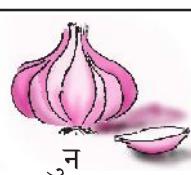
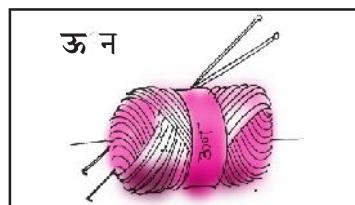
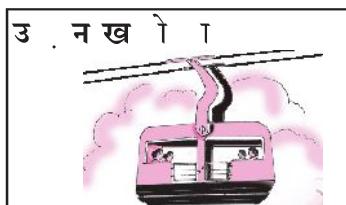
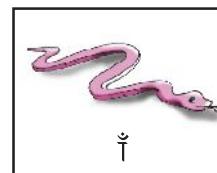
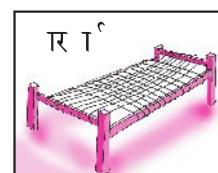
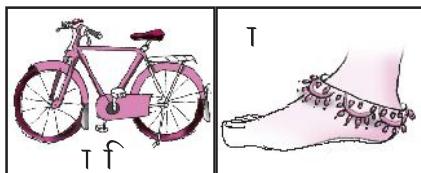
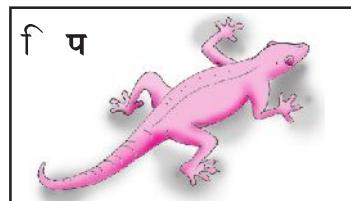
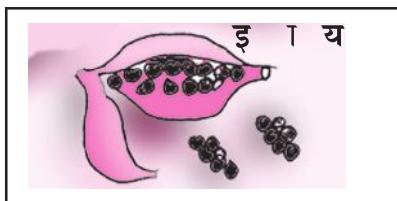
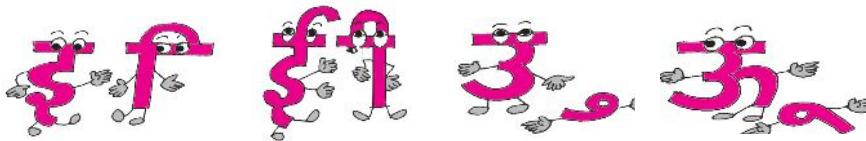
. त र - ा (१)



पढ़ो : र, र, र, र, , , , र, , , , ार, र, र, रर, र, र, र, त, त, त, त, त, रा, ा, ा, ा, ा, ा, ार, ार, ार।

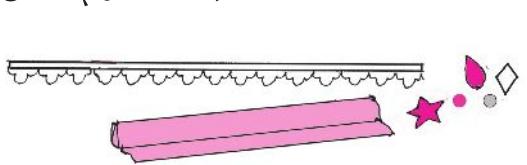
□ छ ा न- ान से ऐ छ ां रि ान ऐ ं।

● देखो और सुनो :

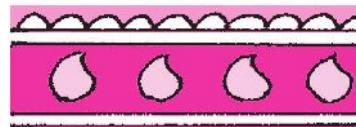


□ ੴ । ਨ- ਾਨ ਸ਼ੇ 'ੁੰ ॥ ਾਂ ੫ ਰਿ । ਾਨ ॥

● देखो और बनाओ :



। त' त'



त ग्र - त' , उरन त. न' , फि ँ, त न' तु' , न' , न' ।



संदेश

पूज्य नानी जी,

सादर प्रणाम ।

जन्मदिन की बधाई !

आपका/आपकी,
प्रिय नाती/नातिन

हर्षल/प्रज्ञा

फ़ि : त' तु त' तु " तु त' रउ' त' तो। रा' स्ति' रा.
न' , फि ँ तै त न' तु' फि ठो। फि ठ' र
इ रउ' प्रा' तो। उ त' त' न प्रार' त' नाो।

□ फि ठो प्रार' जे त्रि/ त' न प्रार' जे नो जा त' त' ने फि प्रेरि है। तो ने
त्रि ने त' तु' फि ठरप्रा, नस्स, नस्स त्रो फि से, प्रा' तो प्रो गा'।

● देखो और समझो :

. रो रौतो



रो रौतो।



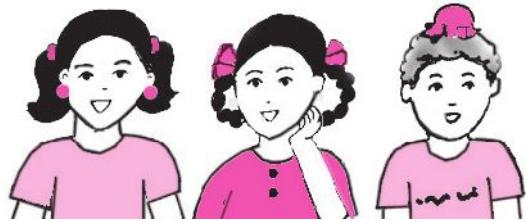
रो।



रो।

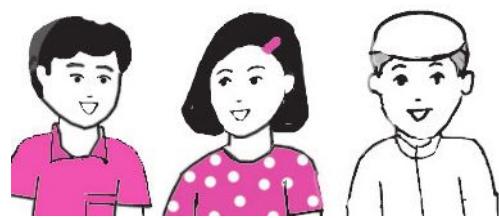
फ़िर्मों रो रौतो निखें। फ़िर्मों नि जरार्फिन ना,
रौतों नेना। फ़िर्म, फ़िर्म, न फ़िर्म रे फ़िर्मों ना नि रा।

● सुनो और गाओ :

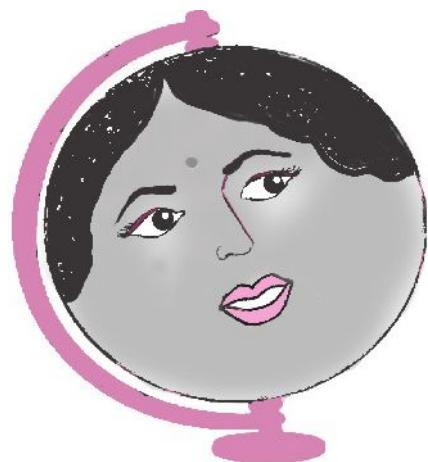


प्र॒ फि ॑ आ ॒ प्रा ॑ ते॒ उ ।
ँ ँ ँ त ते॒ उ ॥

. माँ



त ॑ आ ॒ रे॒ उ ।
त ॑ नि॒ आ ॒ रे॒ उ ।
र , ॑ , ॒ नू॒ ते॒ उ ।
ँ ँ ँ त ते॒ उ ॥



स ारों॑ नीजो॒ त ।

न ा आ ॒ र ा ।

नू॑ , नू॒ ते॒ उ ।
ँ ँ त ते॒ उ ॥

॑ नू॑ नू॒ ते॒ उ ।

॑ नू॑ नू॒ ते॒ उ ॥

- रमेश यादव



१. कोष्ठक के उचित वर्ण से रिक्त स्थान भरो : (ग, सु, आ, रों, सं, ऐ, ति, रू, नू, जी, धा)

— , — , जो—, ——, — न, —स ा—, ——र, —— ।

२. उत्तर लिखो :

() नू॑ नू॒ ते॒ उ ॑ ?

() नू॑ नू॒ ते॒ उ ॑ ?

फि॑ रो॒ नि॒ नू॑ नू॒ ते॒ उ । नू॑ नू॒ ते॒ उ ॑ नू॑ नू॒ ते॒ उ । नू॑ नू॒ ते॒ उ ।

- सुनो, दोहराओ और बताओ :



९. मोती जैसे दाँत



अर्थव के जन्मदिन का निमंत्रण पाकर बैंगनी परी अपने देश से आई थी । परी ने अर्थव को 'जियो हजारों साल' कहा और उसे परी देश के बैंगनी रंग के खूब सारे चॉकलेट दिए । "धन्यवाद परी !" अर्थव ने कहा । परी मुस्कुराकर बोली, "मैं जानती हूँ, सारे बच्चों की पसंद चॉकलेट है । हमारे यहाँ तो चॉकलेटों की खेती और शीत पेय के झारने हैं ।"

अथर्व ने परी से पूछा, “बैंगनी परी !
क्या आप मुझे अपने साथ परी देश दिखाने
ले चलेंगी ?” “अरे ! क्यों नहीं, जरूर ले
चलूँगी ।” परी ने कहा । बैंगनी परी अथर्व को
लेकर परी देश के लिए उड़ चली । परी देश
देखकर अथर्व बहुत खुश हुआ ।

उसने देखा कि परी देश के बच्चे झारने के पास जाकर शीत पेय पीते हैं और खेतों से चॉकलेट तोड़कर खाते हैं। यह देखकर अर्थवर्खुशी के मारे खिल-खिलाकर हँस पड़ा। वह कुछ बच्चों के पास गया और उनसे हाथ मिलाकर बोला, “दोस्तो ! मैं अर्थवर्खुशी लोक से बैंगनी परी के साथ आया हूँ।” ‘स्वागत है मित्र’ कहकर वे बच्चे भी हँसे पर



उत्तर दो :

१. नि फ ट ट ?

२. वे न रने 'तो

वे अर्थव के दूध-से सफेद, मोती-से चमकीले दाँत देखकर हैरान रह गए। अर्थव उन बच्चों के काले-पीले, टूटे-फूटे दाँत देखकर चकित था ।

अचानक उसे डॉक्टर चाचा की बात याद आ गई । उन्होंने कहा था, “अथर्व बेटा ! शीत पेय मत पीना । चॉकलेट, चुईंगम मत खाना । नहीं तो तुम्हारे दाँत खराब हो जाएँगे ।”



अर्थव बुद्बुदाया, ‘इसी कारण इस देश
के बच्चों के दाँत खराब हैं। यह तो बुरी बात है।’
तभी उसे लगा; कोई उसे झँझोड़कर जगा रहा
है। आँखें खोलीं तो देखा, माँ उसे जगा रही
थीं और कह रही थीं, “उठो बेटा अर्थव !
आज विद्यालय नहीं जाना है क्या ?” अर्थव
माँ के मोती जैसे चमकते दाँत देख रहा था।

— Ě. T. Š. ē

● सुनो, समझो और बोलो :



१. फ्रिं



(' ' न ~ ा र ~)

अर्नाल्ड : न से ! रे ना नाल ~। ~ रा ा ~ ने रा ~।

तबस्सुम : फ्रिं ! रे ना सु ~। ~ ा ा ~ र ~।

क्षमा : जो ! ~ ा ~। ा र ~।

विहंग : न से ! ~ ि , स ~ ~ रा ~।

अर्नाल्ड : रे र ~ ा , ा , ि रे ओ न ~।

तबस्सुम : रे र ~ ा , ि रे उा र ~। उा ~ ज्ञान-ज्ञान
ी रो ा नि ~ ना ~।

विहंग : रे ि ि ~। ~ ा ~ ि से ना ~।

अर्नाल्ड : रे ा र र सा ~ न ~। मुरा ा ा र ~ ?

क्षमा : रे ा र ~। रे ना न नि ~, उ र ना।

तबस्सुम : ~-~, रा ~ मुर ~ ि ा ~।

विहंग : ा ~ फ्रिं ~।



संवाद सुनकर उचित जोड़ियाँ मिलाओ :

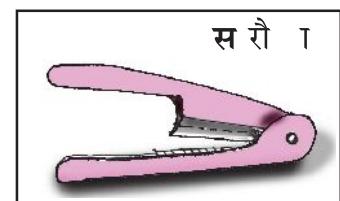
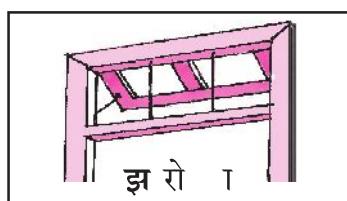
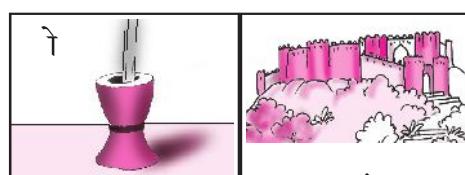
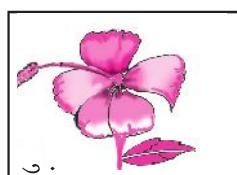
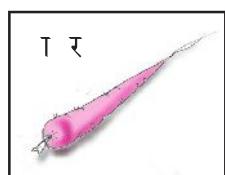
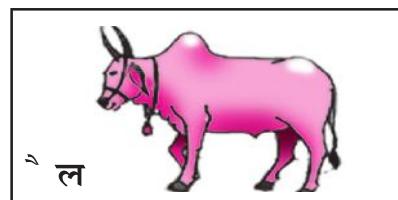
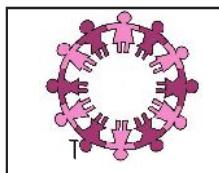
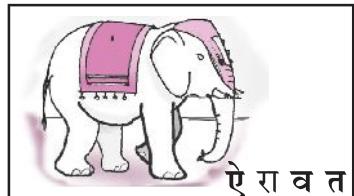
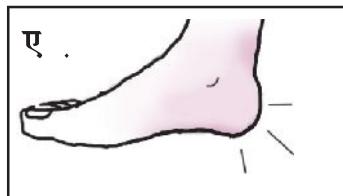
- | | | | |
|--------------------|--------|--------------|--------|
| 1. रा ~ ने रा ~। | - सु ~ | 3. रे ि ि ~। | - ा |
| 2. रो ा नि ~ ना ~। | - नाल | 4. रे ा र ~। | - ि ~। |

■ फ्रिं ~ ते उ र ~ ा ना ~। उ ते - ~ रे प्रश्न ~ ने रे उ तर ~ ने ि ~। उ ~ प्र र
ने ते ~ ते ि प्रोत्ति ~ रें ि ~ ते ~। ने ~ ि ~ तर ~ ~। ि ~ ते ~ तर ~ ~। ि ~ ते ~ तर ~ ~।

● ॑ ते तेर ते :

ਦੁਹ ਦੁਹ ਓੰ ਓੰ

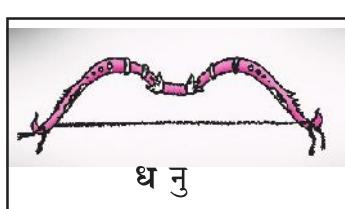
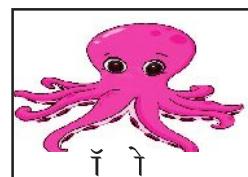
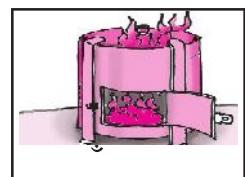
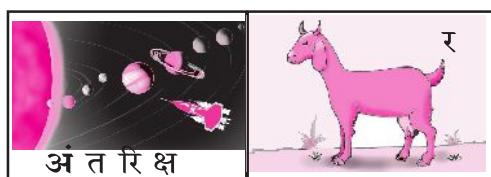
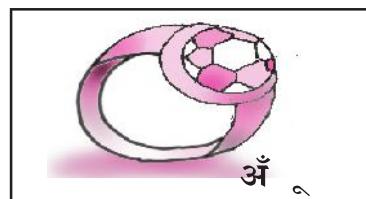
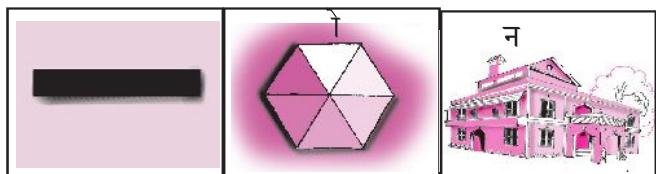
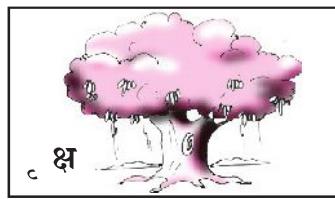
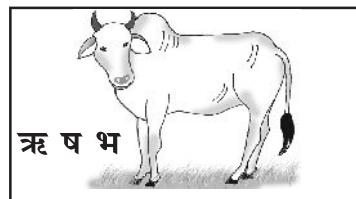
੧੧. ਤਰ - ਗ (੨)



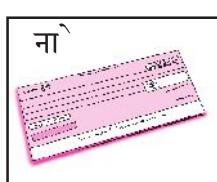
ਪਢੋ : , , . , ਹੋਰ, ਹੈਰ, , ਰ , ਨ .. , , ਰ , ਟ ,
 ਟ, ਟਾਂਟ, ਟ, ਟ. , , ਟ , ਜ਼ਾ , ਟ, ਟ, ਟ, ਰੁ, ਨੁ, ਤੁ, ਚੁ,
 ਨੁ, ਨੁ, ਹੋ, ਹੈਹੋ, ਹੈਹੋ, ਹੈ. , ਨੇ, ਨੇ, ਨੇ, ਨੈਹੋ, ਨੈਹੋ, ਨੈਹੋ।

□ ੴ । ਨ- ਾਨ ਸਨੇ 'ੁੰ । ਅੰ ੫ ਰਿ । ਾਨ 'ੁੰ ।

● ओ औ ओः ओँ अं अः अँ ओ ओँ



ॐ



प्रा :

ੴ

অ

८

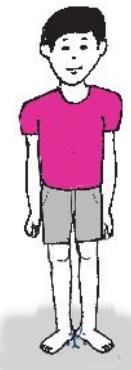
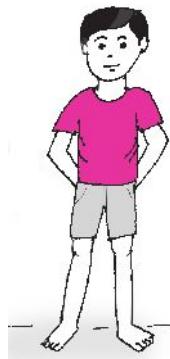


ਪਥੋ : , , , , , ਨ, , ਤਰ, ਹਿੱ, ਹਿੱ, : ਨ : , ਨ ਨ, ,
 ਹਿੱ, ਹਿੱ, ਸੈਨੋ, ਟਾਗ, ਟਾਟ, ਫਿਲਮ, ਨੈਨ, ਤ੍ਰਿਕ, , ਹਿੱ, ਹਿੱ, ਜੁਲੂ, ਟਾਂ, ਰਾ,
 , ਟ, ਟ, , , , ਰ, ਫਿਲਮ, ਹਿੱ, ਹਿੱ, ਨ, ਨ, ਟਾਟ, ਰੂ।

□ ੴ ॥ ਨ-ਾਨ ਸਨੇ ॥ ੴ ॥ ਤੁਹਾਡੀ ਅਰ੍ਥ ਨਾਨ ॥

● फि रो :

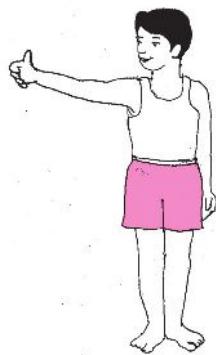
१२. छात



फि त्रोरो।

त्राल्त्रोरो।

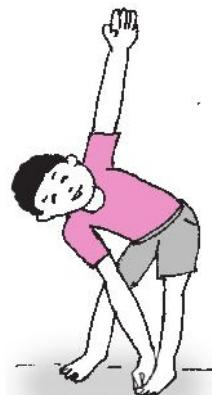
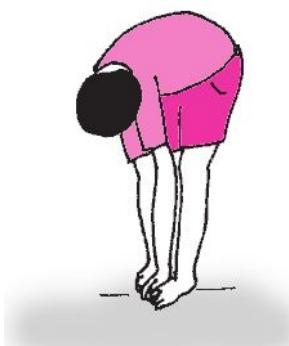
पेरोरो।



दायाँ हाथ दाईं ओर ले जाते हुए अँगूठे का नाखून देखो।

बैठकर पैर सीधे करो। दोनों हाथों से पैरों की उँगलियों को पकड़ो।

घुटनों पर बैठकर दोनों हाथों से पैरों की उँगलियाँ पकड़ो।

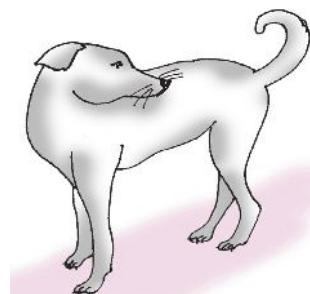


ने भेंतोरोरो। रानिएरोरो भेंतोरोरोरो। भेंतोरोरोरो।

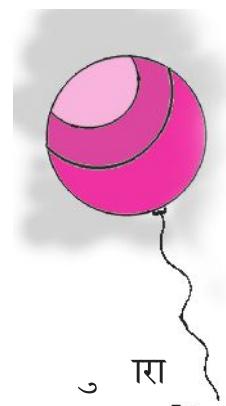
उसे फिँप्पाँप्पाँ और चुँचुँचुँ राँनिभावातीशार्फिराँ।

● रो रै ताता रोः

१. रो रै रो



रुटा



बुरा



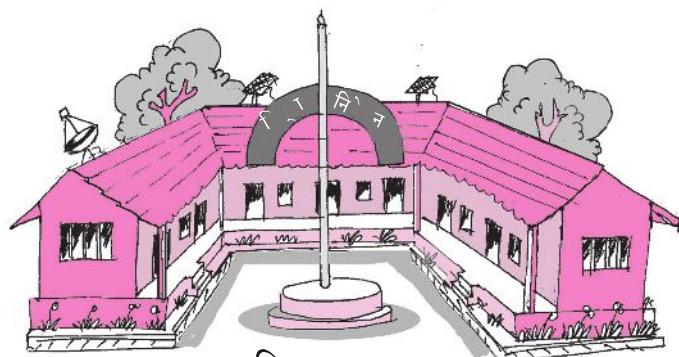
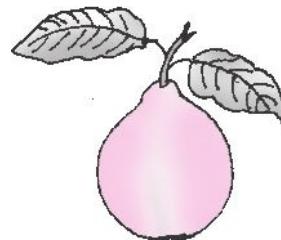
र



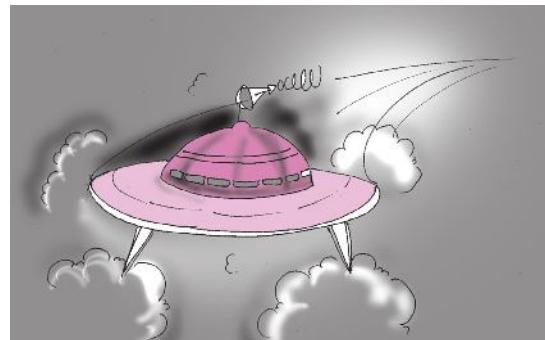
सा



त



विद्यालय



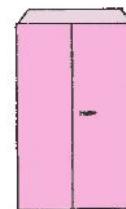
उड़नतश्तरी



फि. टा



सु झा।



रुपा।

क्व रफि त्रिं रैउ फि ऊ रान राॅ। फि ग्गौ उनी ताता॒ सु झौ जा॑।
प्रराता॒ बौ रैरा॑ फि रैरि॑ नौ ऊ राँौ फि ग्गौ तीता॒ तु राॅ।
नि /रू जि॑ फि॑ 'रै'॑ ऊ प्रो फि ग्गौ तो॑ रै॑ रैर-रा॑ राॅ।



* पुनरावृत्तन - १ *

१. सुनो और दोहराओ :

न- न, र- र, उन- न, टा- टा, ए- ए, ट- ट, श- श, ट- ट, ट- ट, ट- ट, रे- रे, र- र, ग- ग, रे- रे, ट- ट, उ ए- ए, र- र ।

२. रे रो रौ रौ रौ रौ रौ रौ रौ रौ रौ ।

३. रे रो रौ रौ ।

भूमि, कलाल, खिलड़ी, चुक्का, रुपर, दूद्दा, गिरगीट, बाज़ा

४. ए गए प्राँ ँ रैउ र ऊ ऊ । फ़ि ा ऽ ।



५. मेरे ए ए रे रौ ।

कृति/उपक्रम

किसी कार्यक्रम में
पहेलियाँ/
चुटकुले सुनाओ ।

अपना और
अपने परिवार
का परिचय दो ।

परिसर में लगी
तख्तियों से
मात्रावाले शब्द
पढ़ो ।

समाचारपत्र में छपे
बिना मात्रावाले
वर्णों के नीचे रेखा
खींचो ।



* पुनरावर्तन - २ *

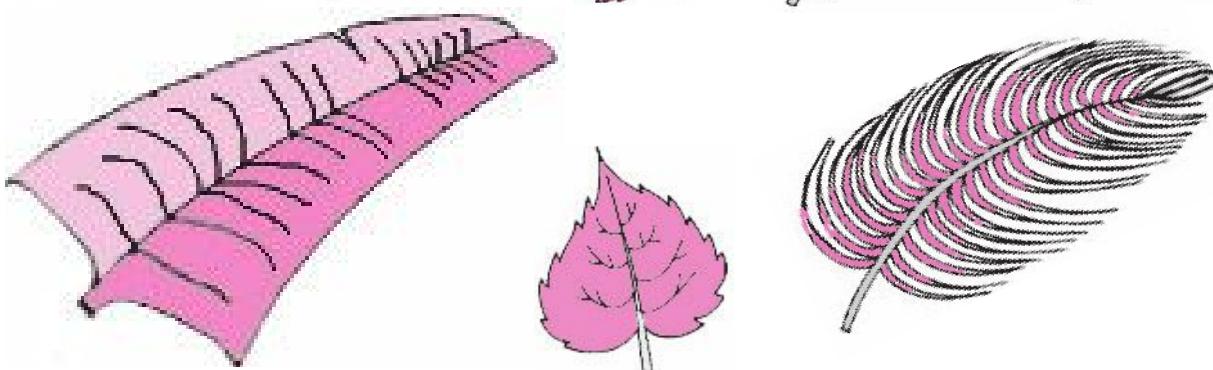
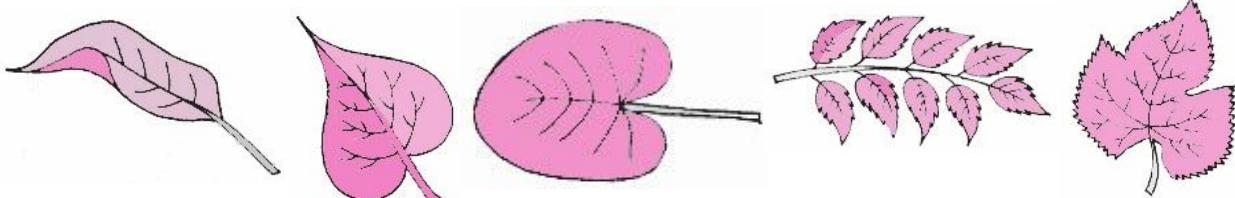
- ## १. सुनो और दोहराओ :

‘—’ , ।—., ৰ-ৰ , র-র , f - , ।.- . , - ত্ৰ, ফিজান-ফিজা ন,
ৱি- , পৈ- পৈ , ঁ-ঁ , ।- ।, ।-ঁ , ।-ঁ , ।- । , ।- । |

२. परीक्षा के समय अचानक तुम्हारा पेन खराब हो जाए तो तुम क्या करोगे ?

- . अनुरेखन करो और पढ़ो :

४. अ॒रु रुद्र॑, शुद्ध॑, नीरीज॑, आरा॑, बौलि॑, फैसे॑, चीटी॑, झुँड॑, भैरवा॑



. स १० ार स ० ारि रो रैउ र ि रो ।

कृति / उपक्रम

रेडियो/दूरदर्शन
पर सुने हुए
विज्ञापन सुनाओ ।

यदि तुम्हें पंख
लग जाएँ तो तुम
क्या-क्या करोगे,
बताओ ।

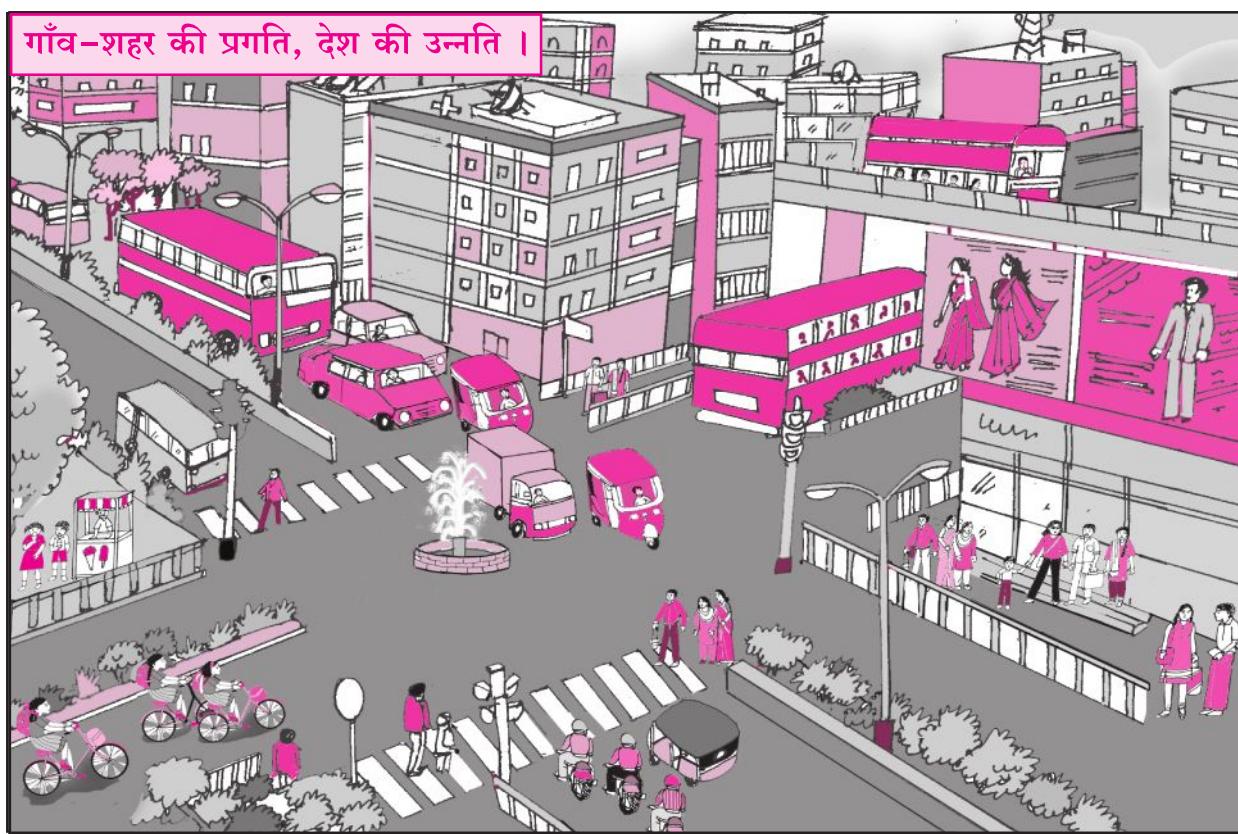
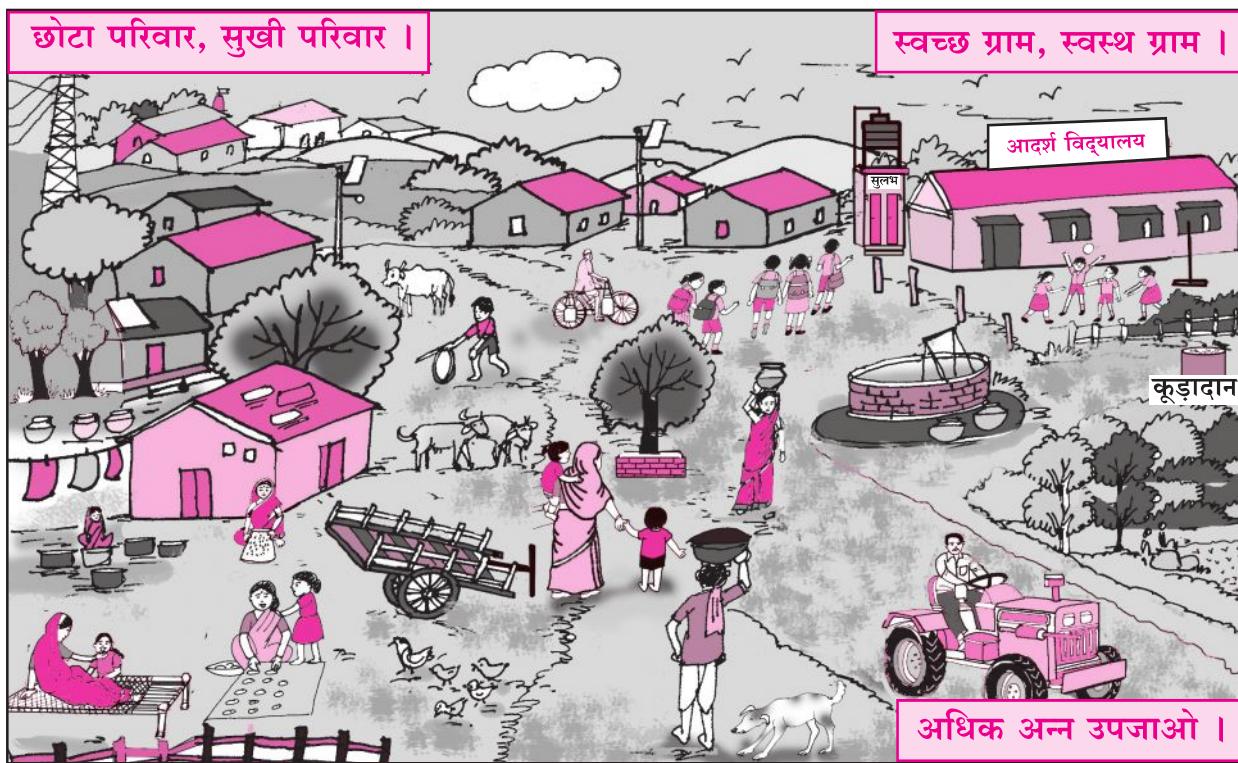
अपनी पसंद
के चित्र लेकर
चित्रवाचन करो ।

समाचारपत्र एवं
दिनदर्शिका के
मात्रावाले शब्द
लिखो ।

● और तो:

१. गाँव और शहर

रा^१



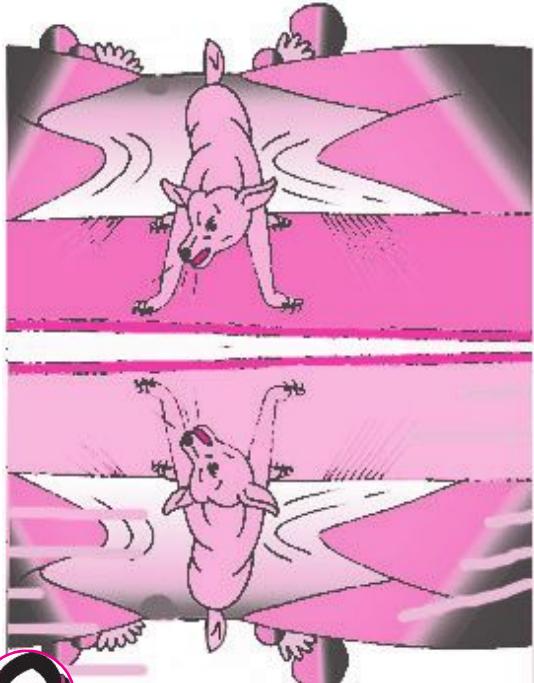
आँखे और रेति बढ़ा दोनों फ़ेरि हैं। प्रश्नोत्तर आ जानें वे जारा। प्रश्न रुक्खिये रुक्खिये उन्हें तो आई। फ़िर आँखे नारउं आँखे रही ताँ।

● त्रै रैगा त्रै :



२. लालची कुत्ता

उत्ता तो उत्ता ,
उत्ता तो रोरो ,
रास्ते उत्ता ,
न उत्ता तो तो ।
नेतोउरन रोरो ,
राता ता रा,
र र ना ता ,
स्नाता रा रा ।
न उत्ता उत्ता ,
उत्ता तो तो ।



उत्ता उत्ता रोरो ,
रोरो - तो ।
रोरो उत्ता ,
उत्ता स्तिं फिं ?
तोरो न ,
रोरिन ।
तोरो ने;
उत्ता उत्ता ,
तोरो नूरो;
उत्ता ।
-प्रा र ।



पढ़ो और विरामचिह्नों को समझो :

- ० फिं (!), ल फिं (,), प्रश्न । (?) , फिं गो (!), फिं (;)
 १. न उत्ता तो तो । ३. तोरो ने; उत्ता उत्ता ,
 २. उत्ता स्तिं फिं ? ४. तोरो नूरो; उत्ता ।

□ उ उ र , रोरो - रोरो - तो तो फिं गो नूरो ने फिं फिं ।
 उत्ता उत्ता उत्ता उत्ता नुरो नुरो नुरो नुरो नुरो नुरो नुरो नुरो नुरो ।

● पढ़ो और दोहराओ :

੩. ਖਿਚੜੀ



रा रा रने तो आ आ ने आरा, “ आँना !
 तो तो गर नि र फि. आरे आ रेनि
 आ अन आरा, त ना फि आ तो त फि। आ
 आ तो तुन र आरुना स र रे रे।



किसने-किससे कहा, बताओ :

- १.““रा रा ता ने ता।”
 - २.“र फ़ तर ा।”
 - ३.“ाँ ा वा ?”
 - ४.“ो र तर ओफ़ ओ ओ र र फ़ ।”



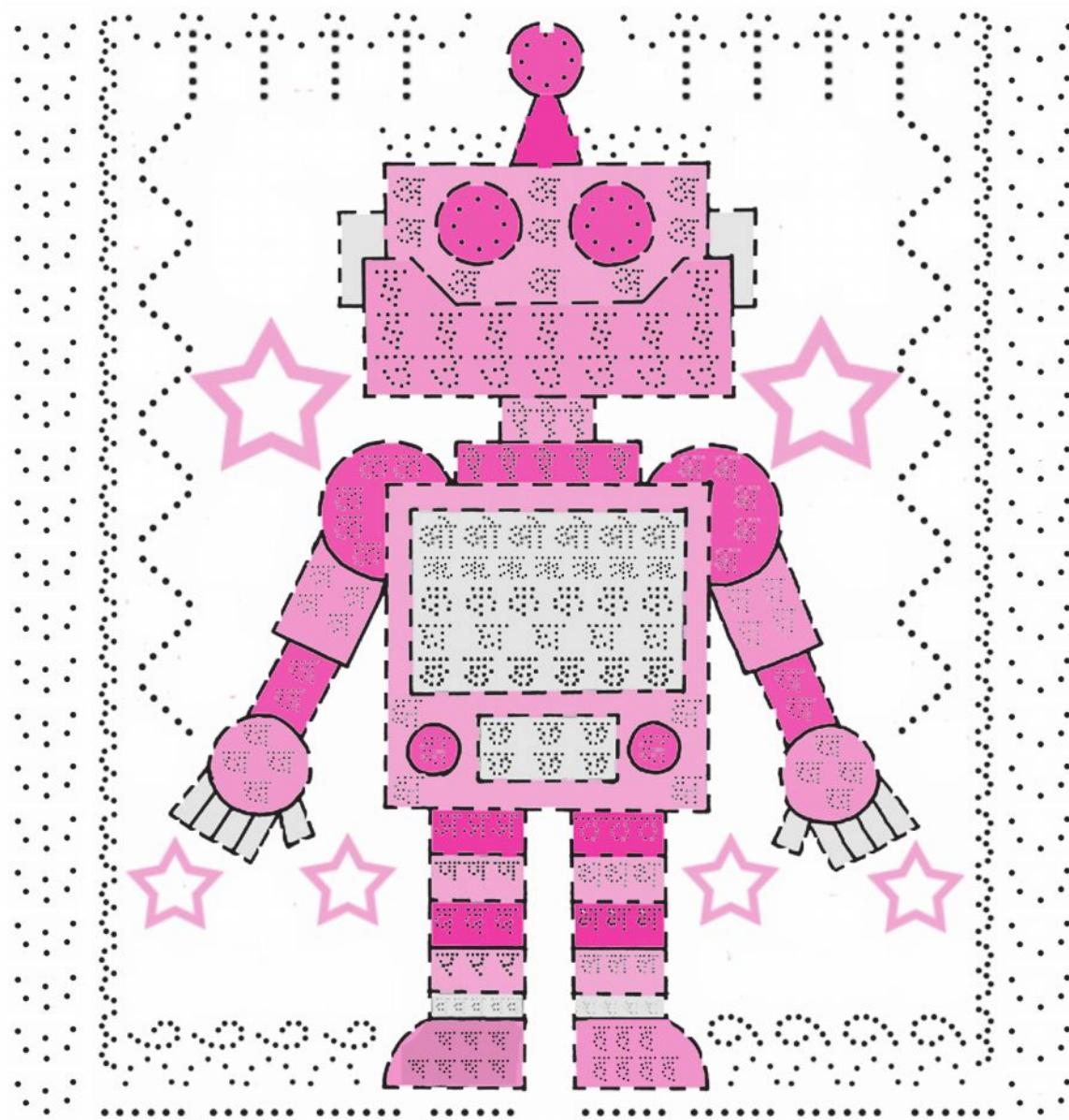
ਹੋਰਾਰੋਫ਼
 ਹੋਰਾਰੋਫ਼ .
 ਸੁਖਾਤਾਰਨਾਫ਼।
 ਨਿਅਨਿੰਮੇ ਹੋਰਾਰਨਾਫ਼।
 ਰਾਰਨੇ ਹੋਰਾਰਨਾਫ਼।

ਰ ਨੇ ਾਂ T. ਰ ਾਂ ' ਠੀ
ਾ' ਰ ਾਂ T. ਾਂ ਰਤ "f". ਨੇ
f ਰ | T T ਰਨੇ ॥ 1,
ਰ , f . ਟੀ ਫਿ ਨ ਰ
T , ਾਂ ਾਂ " " ? "
ਰ ਨੇ T, " ਾਂ ਨੇ T
ਾਂ ਟੀ ਰ ਾਰ ਮੇ f " ਮੇ
ਾਂ ਰ ਮੇ f . " ॥ 1"

‘ त । ’ ने आर टी, “ अँना !
 र फि . आर ए इ ” , रेनि
 टी औ टी फि टी टी
 स . र , र ए ।

● अनुरेखन करो :

४. रोबोट

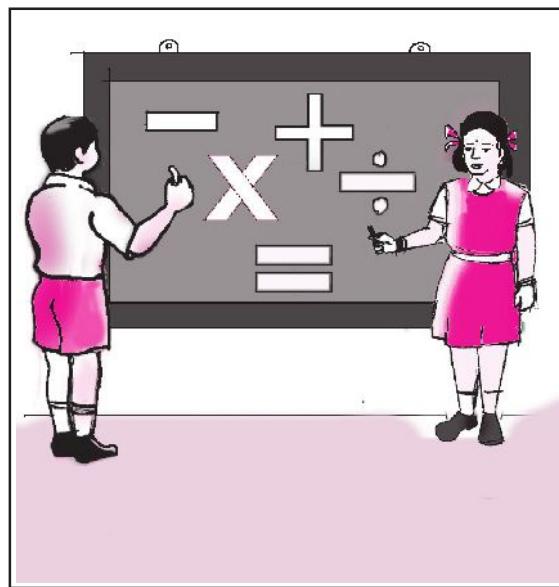
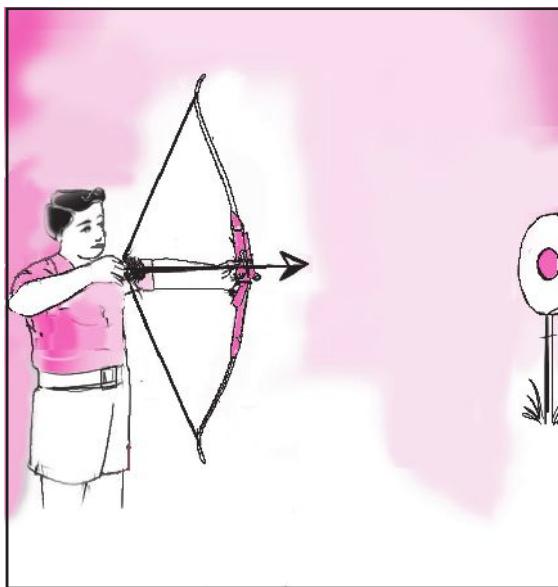


सो न राहे । इना नुरेन राहे । प्रारंभ न सेवि प्रेरि है ।

जुड़ें हम

- अध्यापन संकेत : पृष्ठ २८ और २४ रुद्रांगा, आउश दुआरों की जनरारान और न राना है। ऐसे नामेविधाररन्ते नारों का न प्रारोपण ($\frac{1}{2}$, ग्र.) है। न - फि लै। फिरेरानेरूगो है।
 - (१) प्रारंभ त्रियुजारोरा है। ऐसे रुद्रांगारोशा, रफि राहे हैं। उत्तरी लम्हे न राहे हैं।
 - (२) लांगारुद्रांगरोरोगी सेवि है। तशाफिर्गांगोंदुरांगा नुरेन सेवि है। फिरि फिरि फिरिंगोंदुरेन है। फिरिंगोंदुरिगा, प्रश्निल, लरिगा, फिरिंगों और फिरि तो दारने डी प्रोरहे हैं।
 - (३) त्रियार रफि लांग्रोरा है - लाफि है।
 - (४) दुरांगारा लम्हे शानांगोंदुरेन राहे हैं। फिरिंगोंदुरेन राहे हैं।

● पहचानो और बताओ :



* सुनो और दोहराओ :



र न ा ओ।

प्रा, फ्राफ्न न ा ओ।

१. पढ़ो :

पाई हटाकर जुड़ें हम

राा	ह
ुा	िा
ट	टर

हल लगाकर जुड़ें हम

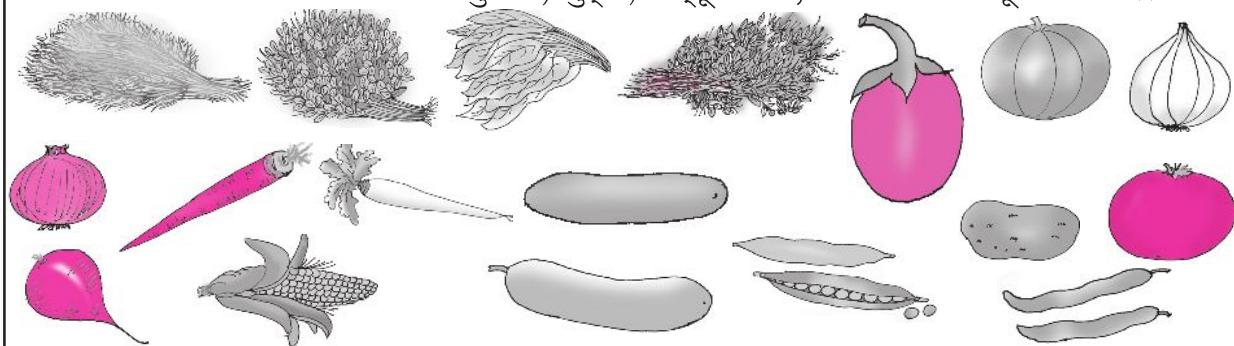
फ्रा	र
ा	ा
ि	ि



२. मुखर वाचन करो और अनुलेखन करो :

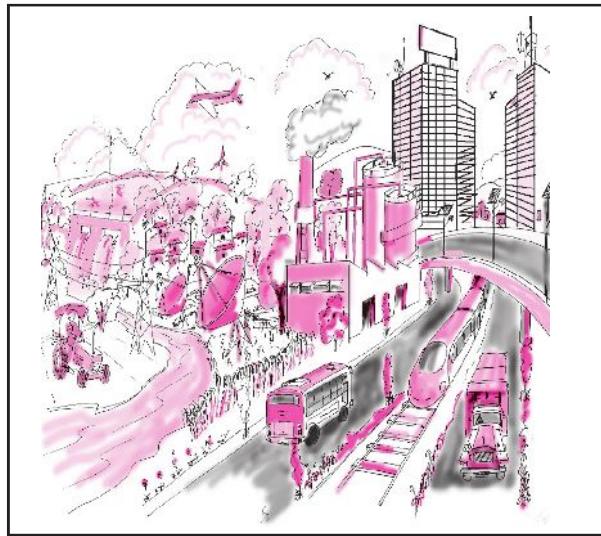
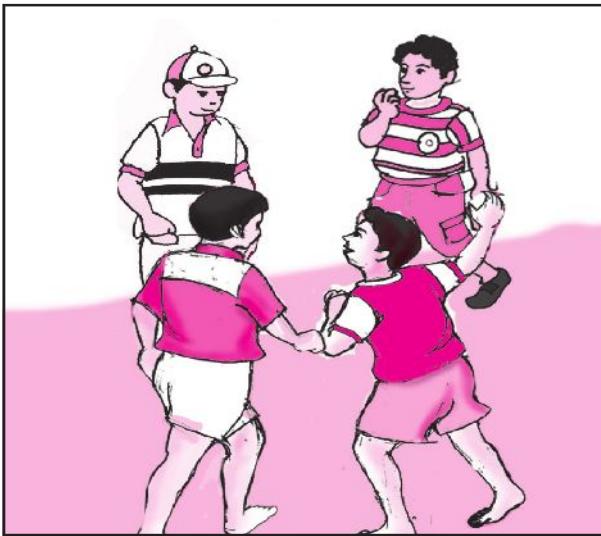
ोा, े, ा, ौा; र फ्राँ न ओ ाँ।
ै न, ुम् ा, ुन, पा; ार, ु उ उ ाँ।

.., र, टू ा ओ; ा ार ओत्रि न ा ओ।
ुर, उा, ऊ ा ओ; र ार ओरु ा ओ॥



ए ा ान स्ने ए ए २२ र्फि ान ए रफ्राँ ा रा ा फ्रिं ओ
स र फ्रौ ना ा ा ा श जु ा ा ा रें। नि उ ओ नी न सु औ ना ा

● ठो और ठोः



* सुनो और दोहराओ :

क ., क ., पार, उत्त .

ग्र र राष्ट्र वर्त .



१.पढ़ो :

आधे होकर जुड़ें हम

िा
र र
० ा
० र

िु
० रे
० ा
० रा॒



२.मौन वाचन करो और आपस में श्रुतलेखन करो :

१. ऐ ठॉ रा ठॉ ।

५. र अ- नान, नेत्र अ-ै अ ।

२. ऐ ठो, प्रू ठो ।

६. शि अ- शि अ ।

३. राष्ट्र ठा, स रे ठा ।

७. अ- नु रा ठो, अ- नार ना ठो ।

४. , र ठो, से ठा ठो ।

८. अ- नु रे ठी रे ठी ररो ।



□ हु ठा ठा न से ऐ हु २२ रफ ठा न रिंगो ठा रा॑ । उसे ठो
ठो॑ और प्रारे उसे ठो॑ ठा॑ रा॑ । निव रे नाप्रो से ए फे फ्रेरे॑ । उरेरो॑
ना॑ ठो॑ औररो॑ ना॑ । रिंगो॑रो॑ ठो॑ निडो॑ ऊसु॑ ऊम॑ फे॑ ।

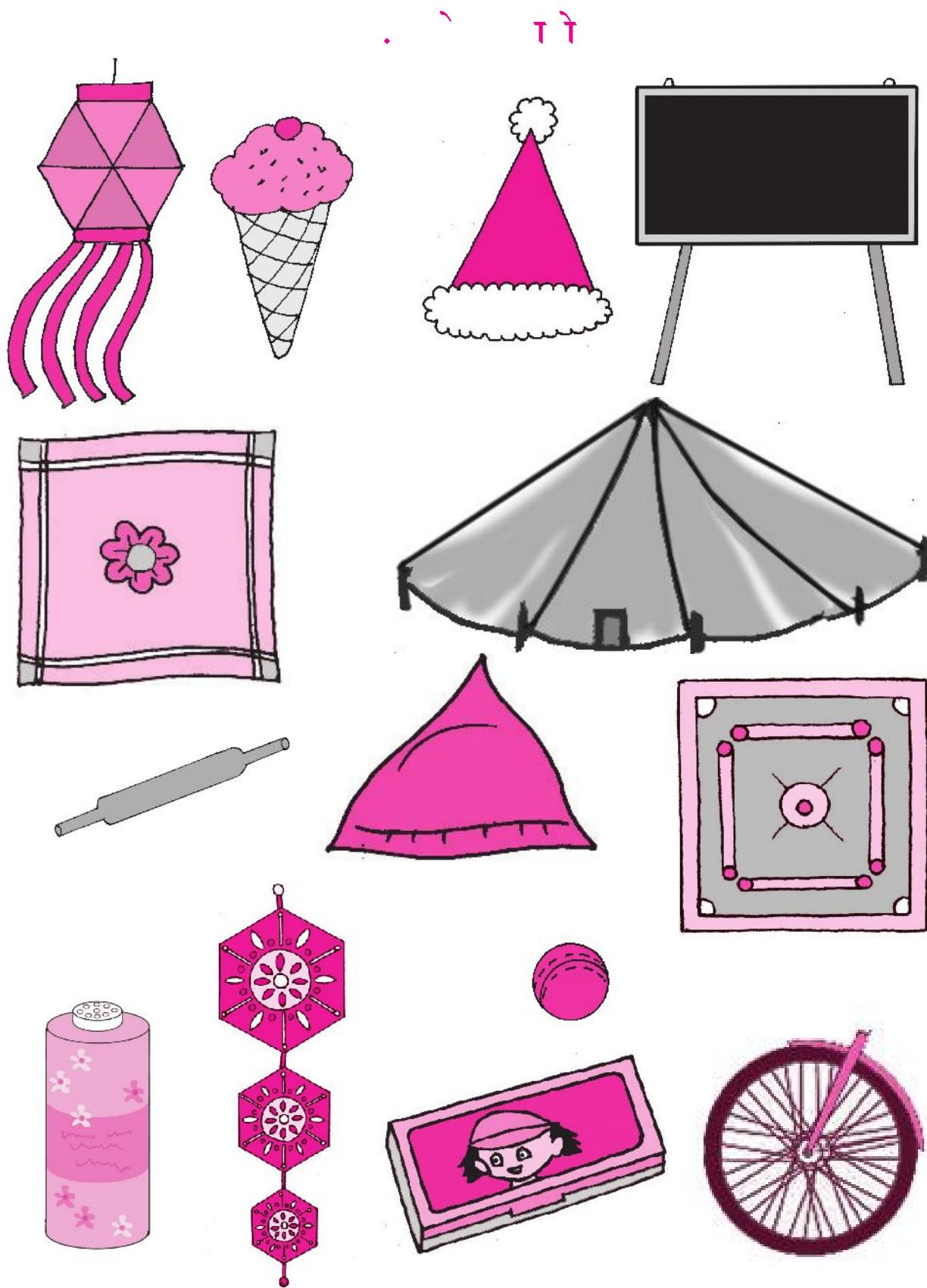
● ते, रे और टे:

६. बोध

आँख	पेटी	औषधि	पपीता	आम
आँखें	पेटियाँ	औषधियाँ	पपीते	आम
माला	सिक्का	तौलिया	बंदर	बिल्ली
मालाएँ	सिक्के	तौलिये	बंदरिया	बिलाव
सिंह	गाय	हिरन	नागिन	चुहिया
सिंहनी	बैल	हिरनी	नाग	चूहा

□ त्रिंते न रैर्दि ते राँ। रिआन जै। न डारे रिंगाँरे र
राँ। न-न रैस्त्रि-उलि ते राँ। न रोन राँ। अस ता प्रारे
न रोन ने रैरि ने रे रिंगाँरे राँ। न रोने प्रो से प्रेरि रे।

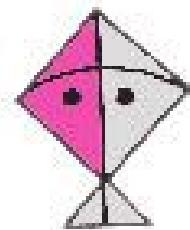
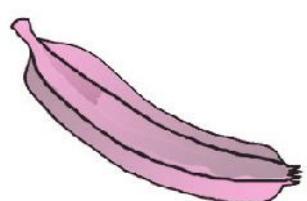
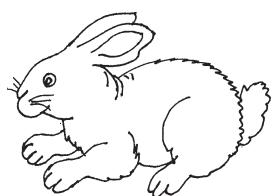
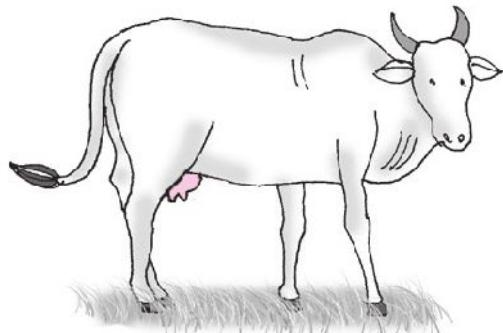
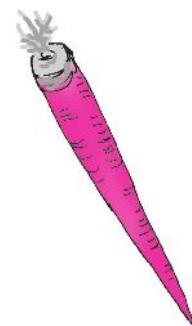
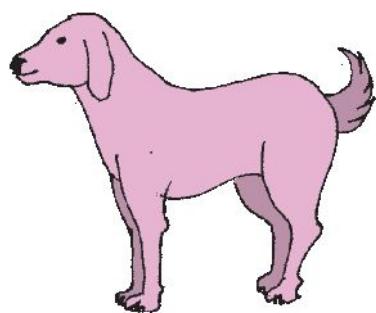
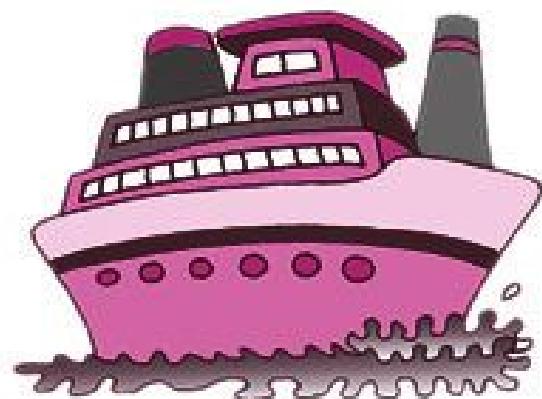
● त ारों त ारों:



फ ारों (त , ा , त्रि , ओ , उ , रास , त , ना र) वैसि उ रो वी सु ँो ना ।

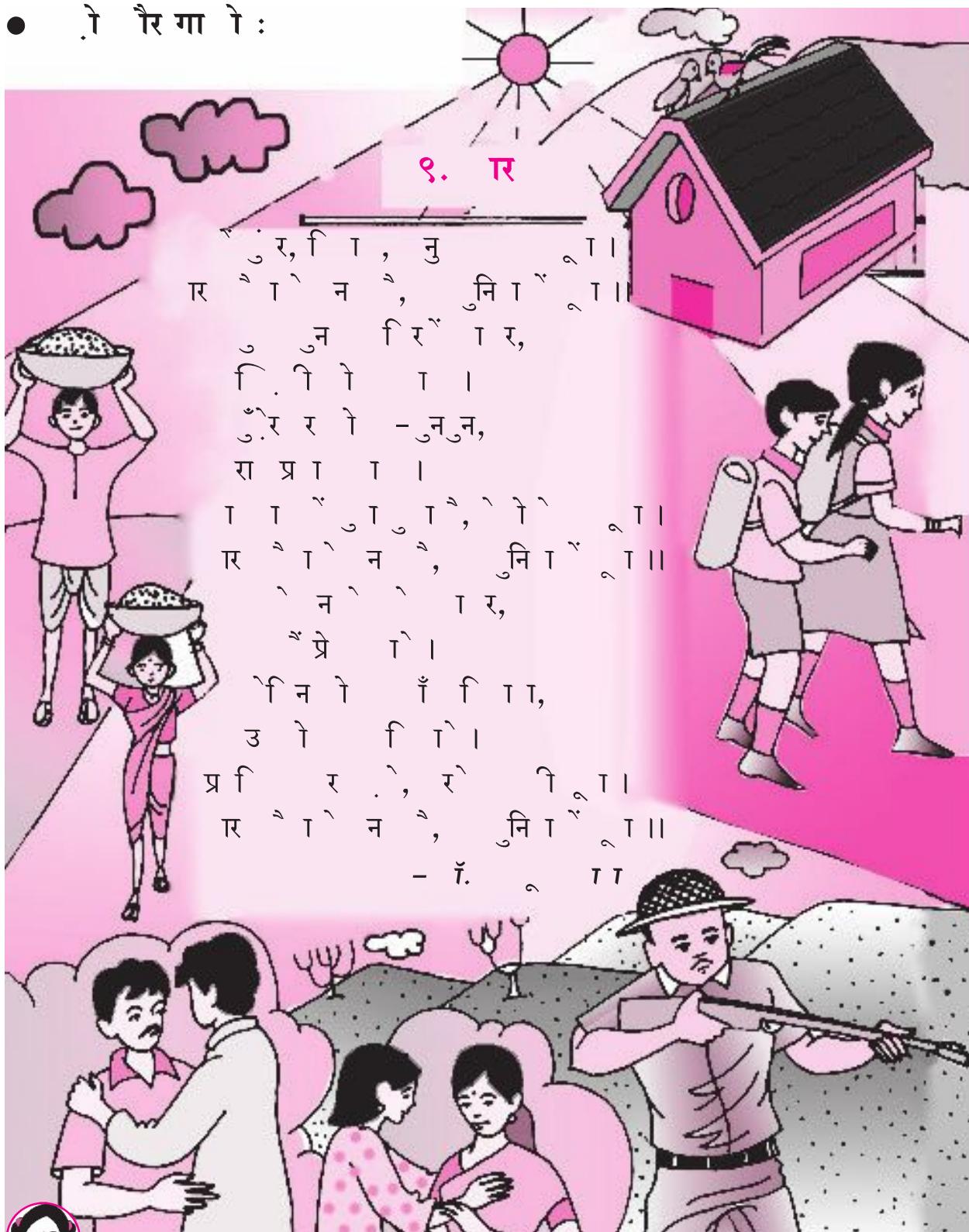
● रे रैरि रे :

रे रैरि रे



रे रैरि ना ना र (रे) रो न (रे) रे रे रे - जहाज = jahaj रे ।

● रो रैगा रोः



पंक्तियों को क्रम से लगाओ और पढ़ो :

१. नि ा ॥
२. प्रि र .,

३. र ि ॥
४. भारत जैसा देश नहीं है,

ऊ रा - न फी रा रै फी रा रै ॥ रा सरा रा ॥ ऊ रा - ऊ
प्रश्न ू ॥ रो, प्रा ने फी प्रेरि रै ॥ ने त त त रै फी रा रै ॥

● ते, ते ते रे ते रा ते :

୧୦. ୩



रा 'निं' रेन- र । न ॥ १ ॥ रने औरे न
 औ उमि उन्हि न । रा फि त ॥ तो ता फि ॥
 'रा ना तर ने मि त ने रिए ने र उना 'गन
 र 'र 'र ॥ त ॥ त ॥ त ॥ र 'र 'त न रा
 औ ने त, "त, 'निं' त ॥ त ॥ त ॥ त ॥ त
 र 'र 'र रे नो ॥ त ॥ ?" त ॥ त ॥ त ॥ त
 "अ, तो रा 'त 'त ॥ त ॥ त ॥ त ॥ त
 -न- ने त ॥ त ॥ त ॥ त ॥ त ॥ त ॥ त
 त 'तो 'न ! फि ना तो तो ?" त ॥ त ॥ त
 फि रा ने त ॥ त ॥ त ॥ त ॥ त ॥ त ॥ त
 जेर 'त, "त 'त 'त 'त ॥ त ॥ त ॥ त ॥ त
 रे नो ?" रा तो, "न अ, त ॥ त ॥ त ॥ त
 तो र र न तो त ॥ त ॥ त ॥ त ॥ त ॥ त
 तु 'फि त ?" "त 'त 'त ॥ त ॥ त ॥ त ॥
 ती त र त ?" अ ती त ॥ त ॥ त ॥ त ॥ त
 श 'त ॥ "त 'त 'त ॥ त ॥ त ॥ त ॥ त ॥



सही (✓) या गलत (✗) चिह्न लगाओ और मोटे अक्षरों में छपे क्रिया के काल को समझो :

१. रा 'निंो' रे जान थी । ()

२. ता तो' त्रि ऊरन है । ()

३. उन त तो न करवाएँगे । ()

४. उ टि रों ऊ होता है । ()

□ ਫਿੰਝੋਂ ਦੇ ਨੁਜਾਂ ਹੈ, : ਪੋਫਿੰਝਾਨ ਰੇ ਹੋਰਾਂ। ਫਿੰਝੋਂ ਦੀ ਰਿਹਾ ਤ੍ਰ ਰਿੰ
ਈ। 'ਜਾ, ਜਾ ਹੈ ਛਾ ਹੋਤਾਰੋਂ ਸਾ ਅੰ। ਫਿੰਝੋਂ ਦੇ ਜਾ, ਜਾ ਅਨਿੰਜਾਂ।

● तो रै तो :



११. राष्ट्र तोर

(फ्रांसीसी राष्ट्र तोरों रे ररें।)

- ज्ञान : संत्राफि बंत्रफि रे राष्ट्र तोरै।
- आकांक्षा : रुँौं प्राँौं १५ स १९४७ तोरा संत्रुटा।
- च्यंबक : निसंत्राफि नामा।
- ज्ञान : आ फिने ता नै तिन नामा
२ नर १९५० तोरै तुफिता।
- आकांक्षा : फ २ नर तिन बंत्रफि नामा।
- क्षितिज : २ नर तैरै १५ से निरै ता तोरै?
- ज्ञान : राष्ट्र तोरा निराष्ट्र रा। राष्ट्र रा। राज, फ्रांस, राँ, अफ्रिकाँ न तोरों तोरुता न। प्रारंभिनि तोरै। - ता तैरोन तोरै।
- क्षितिज : आ तोरै तुफि। तुरा खै।
- च्यंबक : हाँ! संत्राफे नानिं फिन तोरै तरना तो। नेरिंग मान रना ता ठै।
- आकांक्षा : राष्ट्र तोरों रांने फिन तरउस्ति तोना तश्वै। राष्ट्र तोरै तुरनिं तांनुता तेरै। राष्ट्र तोरै तुरनिं तांनुता तने ती।



उचित जोड़ियाँ मिलाओ :

१. संत्राफि

२. २ नर

३. राष्ट्र

४. आंने फि

१. ता न तोरुता तेरै।

२. रउस्ति तोना तश्वै।

३. बंत्रफि

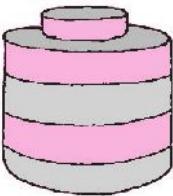
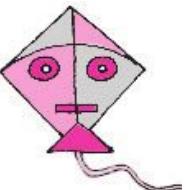
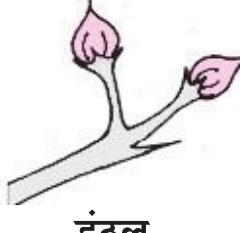
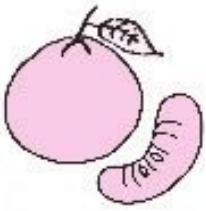
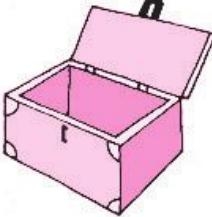
४. १५ से

उसे - से आन राँफि गाँौं ता तर फिरै। आन तैरुन त्ते ते ताँै फि गाँौं से फेरै तैरै। फि गाँौं ते न न राष्ट्र ता त्ते ताँै।

● ते रै ते :

१२.

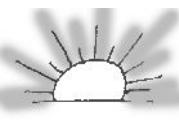
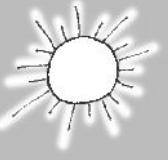
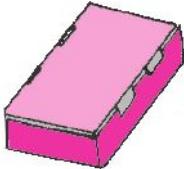
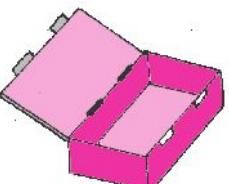
ग - ए

□ , , , , र , , न, औ ने र लौ फि र लौ तो रउ
 तो रुसरे लिया। ता- (), 'तो र' 'लौ फि',
 : नुसरे रा। रुसरो लौ फि नुसरुन रा। प्रते लिया
 नैन स्नेहरु। जे रे रुसरो र लौ फि रुसरु तो
 नूने फि रैउने न रा।

● त्रै रै त्रै :

१३. () T - f ,

नेत्र 	वृक्ष 	पक्षी 	पुष्प 
आँख 	पेड़ 	पंछी 	फूल 
द्वार 	चारपाई 	सवेरा 	केश 
दरवाजा 	खटिया 	सुबह 	बाल 
दिन 	रात 	ऊपर 	नीचे 
कम 	अधिक 	छोटा 	बड़ा 
गरम 	ठंडा 	सुखी 	दुखी 
बंद 	खुला 	आगे 	पीछे 

□ त्रिै रै ना - रुै रै । परिभाषा नहीं बतानी है । न तारै रुै रुै रुै । र राँ । रुै रै । रुै रै । रै रै । रै रै । रै रै ।

रो :

() - गा.



लिखो :

१. पाे नि।

२. तैे ना।

३. नोे ना।

४. तैे नीनि तोे रैे फौ।

१. ताऊ उरा न रें। - रिे तु न/न राँ। फौ तैे नों।
तरों न राँ रै। तौरे तौ तैे नौ। अरे रे त्रिं रना फौ।

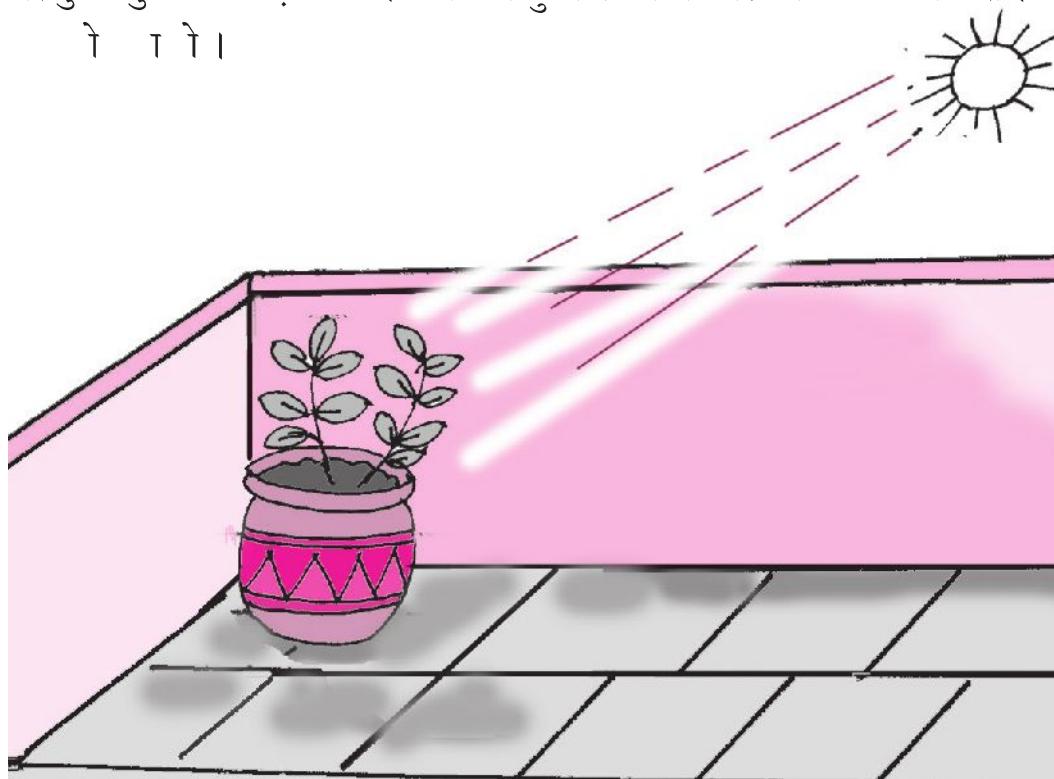
● रैतोः

१४. फिर



प्राते
रेतो।
री, ना
समररो
तो। रेतो
सनररो
ना तो।
निनामों
निररो।

राति स्से, उत्तरे फिरेते
रुत्तरे रैतो। आमुआ? तो रैतो फिरो। ना
निफिरो।



फिरो प्रफिरी सुमो निरफि प्रोता रेतुरा न प्रोरा।

● ਗੁਰੂ ਤ੍ਰੈਤੀ :





* रा - *

१. अनुस्वारवाले (-) शब्दों को सुनो, समझो और दोहराओ :

— , — , ॥ रुद्र, रुद्र; नी, नी, नी, ॥

२. घायल पक्षी को देखकर तुम्हारे मन में कौन-से भाव उठते हैं, बताओ ।

३. पढ़ो और समझो :

() मैं ऊँ तमें राॅ !

() , T ने , T , “उ ! कहाँ ?” उ ने कहा, ““ तो T T !”

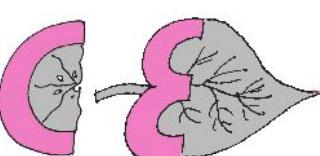
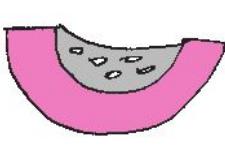
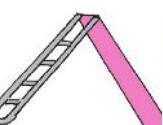
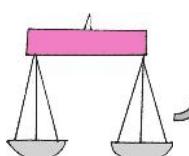
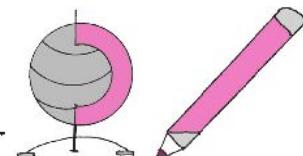
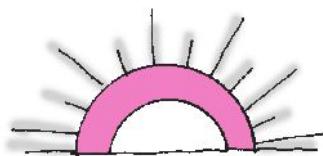
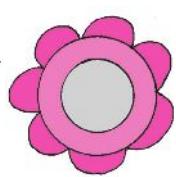
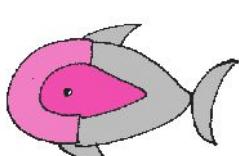
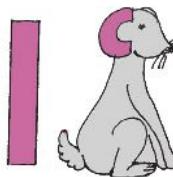
() रैन फ्लि टी ओर ट्रैट और टी ।

() ਰਾ ' ਰਾ ਹੈ । ਤ ' ਤ ' ਹੈ ।

() न की ले न पर कि उ उ ॥ २ ॥

४. अंश तरफे:

ॐ रात्रा नाम रात्रा ॥ १ ॥



कृति / उपक्रम

विद्यालय में पहले
दिन के अपने
अनुभव सुनाओ ।

किसी समारोह के
बारे में पाँच वाक्य
बोलो ।

पंचतंत्र /
हितोपदेश की
कहानियाँ पढ़ो ।

एक चित्र बनाओ
और उसका वर्णन
दो-तीन वाक्यों में
लिखो ।



* रा ९ -४ *

१. सुनो और दोहराओ :

२	T	रा/र २०। रा/र २०। रे २ो/र २ो। रे २०/र २०।
९	T	

८	T	रा८/र ८०। रे८/र ८०।
९	T	

२. तुम्हारे मित्र के पास कॉपी खरीदने के लिए पैसे नहीं हैं। तुम्हारी माँ ने मेला देखने के लिए तुम्हे तीस रुपये दिए हैं, इस स्थिति में तुम्हारे मन में कौन-से भाव जगते हैं, बताओ।

. पढ़ो और समझो :

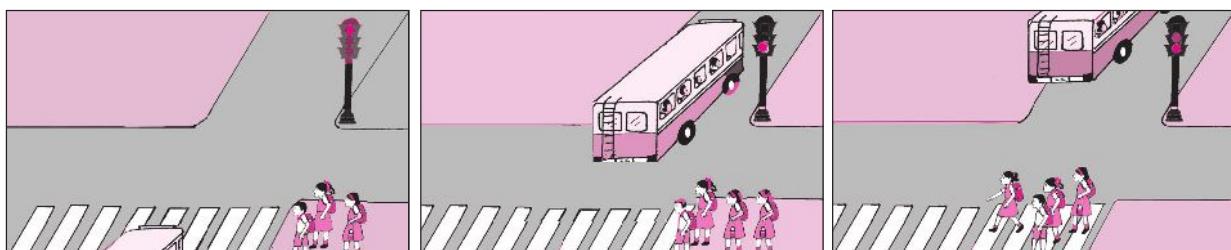
विद्यालय : वाला १००।

जादूगर : वाला १००।

खेल खेलने वाला : वाला १००।

सच बोलने वाला : वाला १००।

४. रि॑ रि॒ त्रिं॑ ता॒ रे॑ रैरि॑ रा॒ रे॑ ता॒ रे॑ रे॒ रे॑ रे॒ रे॑ रे॑



. रि॑ रे॑ ता॒ मैरा॑ रे॑ गरा॑ तो॑ ता॒ रे॑ गे, ता॒ तो॑:

() तो॑ ता॒ रे॑ | () तो॑ ने॑ ता॒ तो॑ | () जा॑ नो॑ ता॒ तो॑ | () ता॑ रे॑ |

कृति/उपक्रम

भारत की पाँच
विशेषताएँ सुनाओ।

परिसर में देखे
हुए वृक्षों के नाम
बताओ।

तेनालीराम की
कहानियाँ पढ़ो।

तुम्हें कौन-सा
खेल पसंद हैं और
क्यों, लिखो।

* श T *

पहली इकाई

२. हवा : ना = राना; = स्त्रि; ना = नृत् त्रिता ना;
ना = फ्रिर ना; रना = त्रितर रना; = प्राति, रा।

.. माँ : प्रा = त ार; = र ; त = शि ।

९. मोती जैसे दाँत : = t; तो. ना = टो. फि. ना ।

पुनरावर्तन- १ : र = ई; ट = ट ; त्रट = उँडी; रे = न से ए
रान ट'; र = सुँडी से टा; उट = ओ ना; र = प्रारंभी ट।

पुनरावर्तन- २ : ० = १; १ = ० ; त्र = , ११; रि, = त्र;

ौ = र ठ, ॑, ॒, र ; ॑ = र ठ ठ ठ, ।

दसरी इकाई

२. लालची कुत्ता : रा = रि टॅरै टॅ.ट, टॅट; फॅना = फॅना;
 फॅट = फॅट; फॅट = फॅटर; टॅट = टॅट, टॅट।

.. ਖਿੱਚਡੀ : ਰਨਾ T = . T T'; ਫ਼ T = . ; ਠ = |

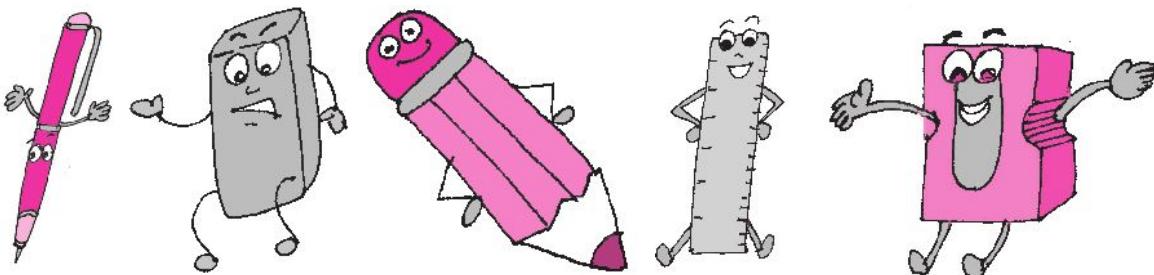
∴ जङ्गें हम : र = ट' जै ट; र र = फ़; ट = टि, न।

९. भारत : नु = ' औ . ; नु T = श ' ने ता ; नु T = ना ;
 नु R = ' र नु T ना ; प्रा T = ' ने ता

१ . () छुक-छुक गाड़ी : ट = टि; / ट = न; लुन = उन।

१४. निरीक्षण : स स = निरो , रुस ; निष ' = नि रो . ।

पुनरावर्तन- ३ : ११ = १ ; १ = १; ११ = ११।

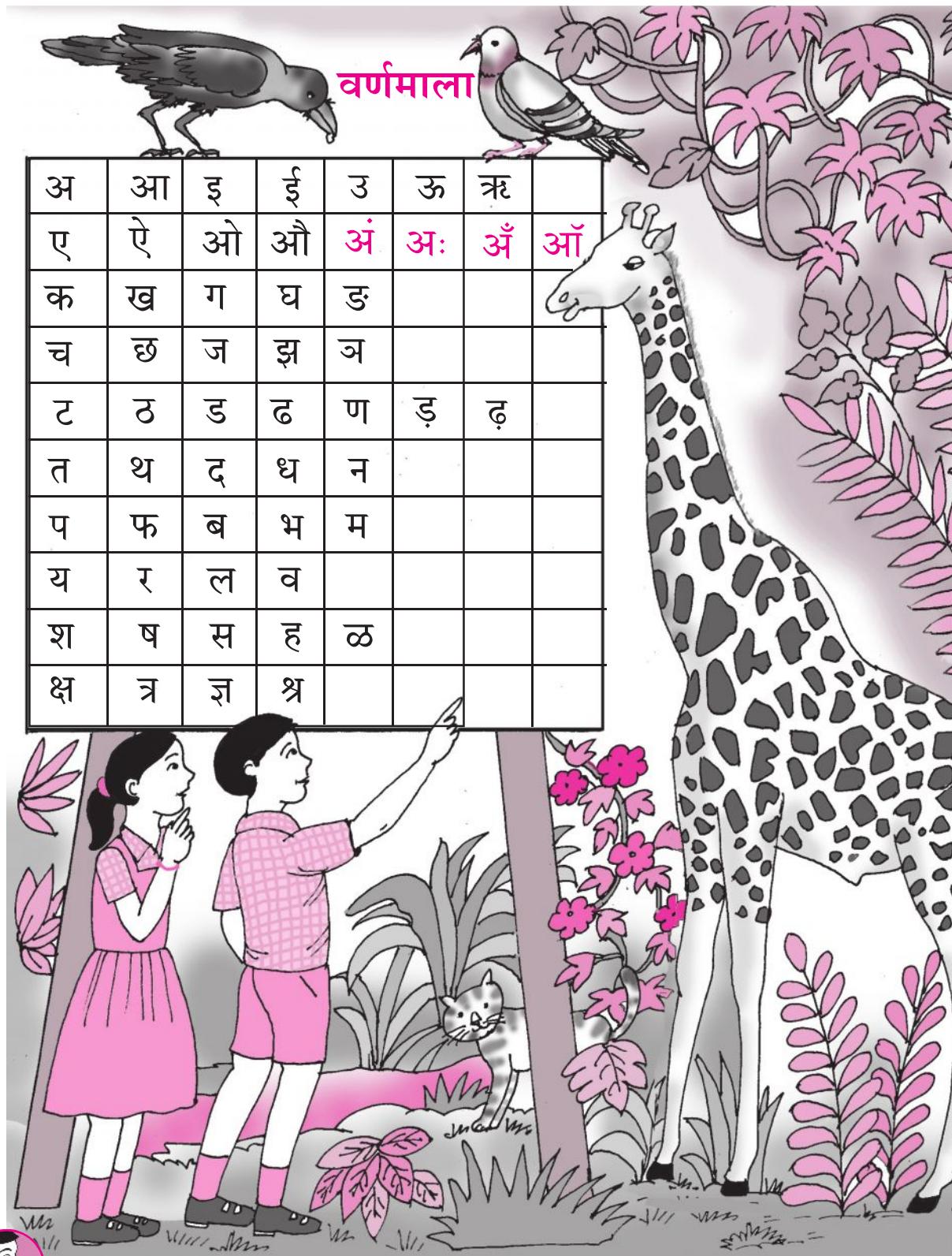


* उत्तर *

पुनरावर्तन -२, पृष्ठ क्र. १ , प्रश्न ४ का उत्तर :

ତ, , , ନ, , ରୁ, , ଠ, ତା, , ` , ` ଟ, ତ. , ନାରି |

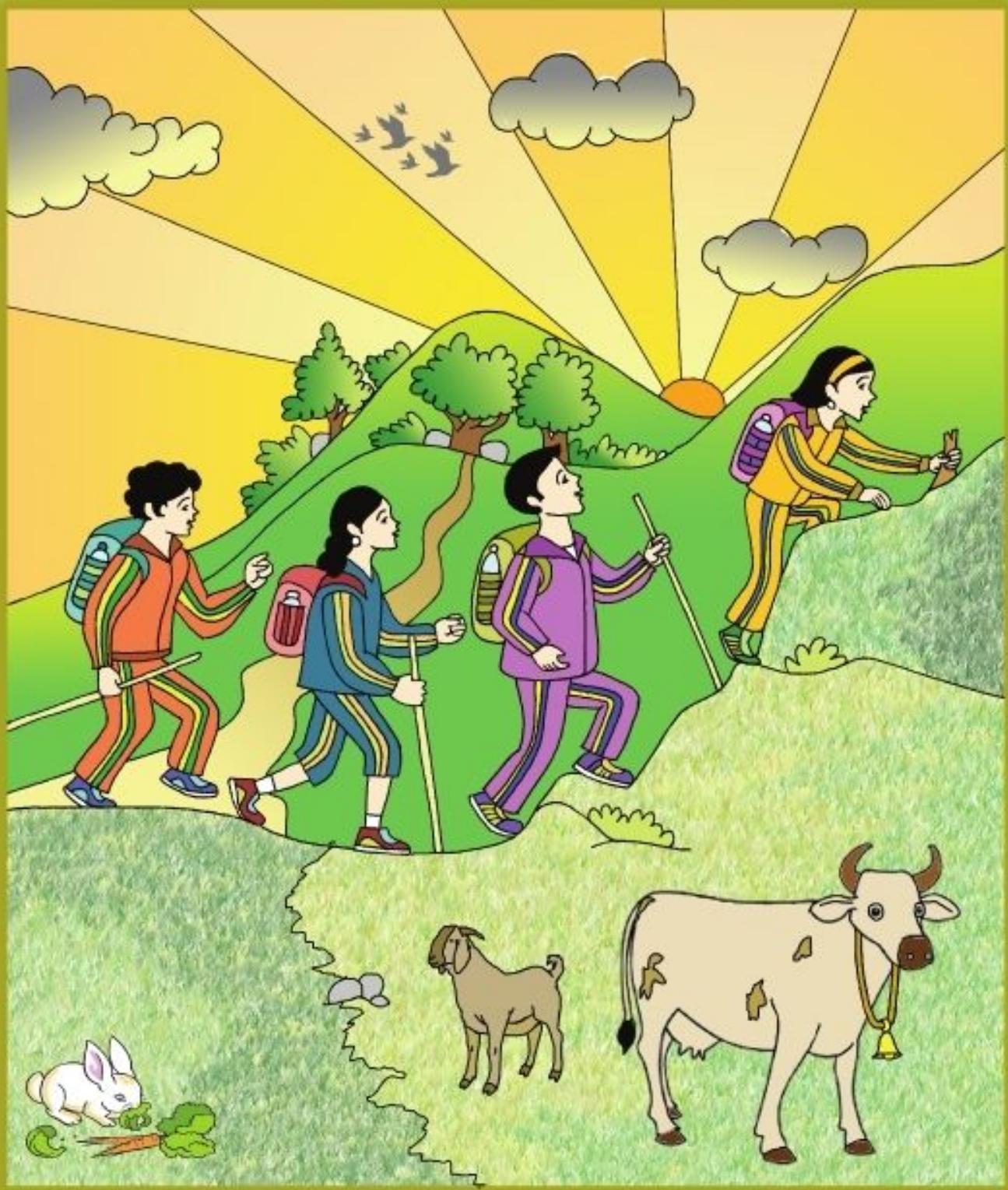
● फोरोरो:



१. वर्णमाला क्रम से पढ़कर सुनाओ।



२. 'क' की बारहखड़ी लिखकर पढ़ो।



महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे.

हिंदी मुगमधारती इयत्ता पाचवी

₹ 21.00